हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 16 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :210 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

आदित्य ठाकरे ने दादर हनुमान मंदिर में महाआरती की

एजेंसी

मुंबई में एक मंदिर को गिराने के लिए रेलवे के नोटिस जारी करने को लेकर हुए विवाद के बीच शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को दादर स्टेशन के बाहर स्थित हनुमान मंदिर में महाआरती की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मंगल प्रभात लोढ़ा ने इससे पहले दिन में दावा किया था कि उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की है और मंदिर के खिलाफ कार्रवाई रोक दी गई है।आदित्य शाम को मंदिर पहुंचे और महाआरती की।इस दौरान उनके साथ पार्टी नेता अनिल देसाई, संजय राउत और कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इससे पहले, पत्रकारों से बात करते हुए आदित्य ने इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह हिंदुत्व की विचारधारा का इस्तेमाल केवल वोट पाने के लिए करती है। उन्होंने कहा कि हालांकि, रेलवे ने तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी है, लेकिन उसे नोटिस वापस लेना चाहिए। रेलवे ने मंदिर के न्यासी/पुजारी को चार दिसंबर को भेजे नोटिस में कहा था कि यह ढांचाअतिक्रमण कर बनाया गया है

नीतीश ने मणिपुर में बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की हत्या पर शोक जताया

अनुग्रह राशि की घोषणा की

नीतीश कुमार ने मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये रविवार को मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

एजेंसी

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये रविवार को मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। गोपालगंज जिले के निवासी लक्ष्मण कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की शनिवार शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई। निर्माण कार्य से जुड़े ये मजदूर काकचिंग में किराए के मकान में रहते थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि नीतीश कुमार मणिपुर में बिहार के लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार की हत्या से दुखी हैं।

उन्होंने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर में बिहार निवासियों की हत्या पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना में दिवंगत लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की है।मुख्यमंत्री ने साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया है।

नीतीश कुमार ने मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये रविवार को मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। गोपालगंज जिले के निवासी लक्ष्मण कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की शनिवार शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भाजपा के इस दावे पर कटाक्ष किया कि ह्यएक देश, एक चुनावह्न से चुनावी खर्च में कमी आएगी और साथ ही भाजपा एवं उसके सहयोगियों पर विज्ञापनों पर जनता का पैसा खर्च करने का आरोप लगाया।बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग से राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव ह्यएक ही चरण में कराने की मांग की, जैसा पहले भी होता रहा है।ह्न दरभंगा में प्रेसवार्ता के दौरान जब पत्रकारों ने राजद नेता से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक के बारे में पूछा तो उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, ह्यह्यमौजूदा स्वरूप में चुनाव कराने में क्या समस्या है?जब उनसे कहा गया कि केंद्र की भाजपा सरकार का मानना ??है कि एक साथ चुनाव कराने से इस पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, तो तेजस्वी ने पलटवार करते हुए कहा, ह्यह्यऔर विज्ञापनों का क्या?

विहिप कार्यक्रम में टिप्पणी: उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष पेश हो सकते हैं न्यायमूर्ति शेखर यादव

एजेंसी

नई दिल्ली: नयी दिल्ली।विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक समारोह में कथित तौर पर विवादास्पद बयान देने वाले न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव इस विवाद पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए जल्द ही उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष पेश हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को बयानों से जुड़ी खबरों का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से एक रिपोर्ट तलब की थी।एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ह्यह्यउच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए भाषण को लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लिया है।इस बारे में विवरण और ब्योरा उच्च न्यायालय से तलब किया गया है और यह मामला विचाराधीन है।स्थापित प्रथाओं के अनुसार, जिस न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर शीर्ष अदालत

10 दिसंबर को बयानों से जुड़ी खबरों का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से एक रिपोर्ट तलब की

कॉलेजियम द्वारा संबंधित उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी जाती है, उसे भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के नेतृत्व वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष अपना पक्ष रखने का एक अवसर दिया जाता है।शीर्ष अदालत के सूत्रों ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को स्थापित प्रथाओं के अनुसार उपस्थित होने और अपना पक्ष रखने के लिए कहा जा सकता है। न्यायमूर्ति यादव ने आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में कहा था कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है।

भाजपा और उसके सहयोगी विज्ञापनों पर जनता का पैसा खर्च कर रहे: तेजस्वी

एजेंसी

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भाजपा के इस दावे पर कटाक्ष किया कि ह्यएक देश, एक चुनावह्न से चुनावी खर्च में कमी आएगी और साथ ही भाजपा एवं उसके सहयोगियों पर विज्ञापनों पर जनता का पैसा खर्च करने का आरोप लगाया।बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग से राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव ह्यह्यएक ही चरण में कराने की मांग की, जैसा पहले भी होता रहा है।ह्न दरभंगा में प्रेसवार्ता के दौरान जब पत्रकारों ने राजद नेता से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक के बारे में पूछा तो उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, ह्यह्यमौजूदा स्वरूप में चुनाव कराने में क्या समस्या है?जब उनसे कहा गया कि केंद्र की भाजपा सरकार का मानना ??है कि एक साथ चुनाव कराने से इस पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, तो तेजस्वी ने पलटवार करते हुए कहा, ह्यह्यऔर विज्ञापनों का क्या?

महायुति कैबिनेट का विस्तार, 39 विधायक बने मंत्री

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को महायुति मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ।इस दौरान 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार की मौजूदगी में विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गयी। बताया जा रहा है कि आज रात तक विभागों की सूची भी घोषित कर दी जाएगी।

भाजपा के इन विधायकों ने ली शपथ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले, राधाकृष्ण विखे पाटिल, चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, गणेश नाइक, मंगलप्रभात लोढ़ा, जयकुमार रावल, पंकजा मुंडे,

अतुल सावे, अशोक उइके, आशीष शेलार, शिवेंद्रसिंह भोसले, जयकुमार गोरे, संजय सावकरे, नितेश राणे, आकाश फुंडकर, माधुरी मिसाल, पंकज भोयर और मेघना बोर्डिकर ने मंत्री पद की शपथ ली।

शिवसेना के इन विधायकों ने ली शपथ

शिवसेना के गुलाबराव पाटिल, दादा भुसे, संजय राठौड़, उदय सामंत, शंभूराज देसाई, संजय शिरसाट, प्रताप सरनाईक, भरत गोगावले, प्रकाश अबितकर, आशीष जायसवाल और योगेश कदम ने मंत्री पद की शपथ ली।

राकांपा के इन विधायकों ने ली शपथ

राकांपा के हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, दत्तात्रेय भरणे, अदिति तटकरे, माणिकराव कोकाटे, नरहरि झिरवाल, मकरंद जाधव, बाबासाहेब पाटिल और इंद्रनील नाइक ने मंत्री पद की शपथ ली।

मायावती ने दलों से एक देश एक चुनाव विधेयक का समर्थन करने का आग्रह किया

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें आरक्षण पर नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि जब कांग्रेस नीत संप्रग सत्ता में था, तब उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को पदोन्नति में आरक्षण देने वाले विधेयक का विरोध करने के लिए सांठगांठ की थी।मायावती ने एक देश-एक चुनाव का

समर्थन करते हुए कहा कि इससे खर्च कम होगा और जनहित के कार्य ज्यादा नहीं रुकेंगे। उन्होंने अन्य दलों से भी इसका समर्थन करने का आग्रह किया।मायावती ने मांग की कि एससी, एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए ताकि इससे किसी भी तरह की छेड़छाड़ को रोका जा सके। नौवीं अनुसूची में सूचीबद्ध केंद्रीय और राज्य कानून न्यायिक समीक्षा से मुक्त हैं। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार संसद में संविधान पर हुई चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष की तरफ से, खासकर, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने देश के एससी,।

सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सोमवार से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक में मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ ने सभी दलों से सहयोग मांगा और कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है। उत्तर प्रदेश में सोमवार से शीतकालीन सत्र की कार्यवाही शुरू होगी। दोनों सदनों -- विधानसभा और विधान परिषद का सत्र 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक प्रस्तावित

है जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-2025 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों का प्रस्तुतीकरण हो सकता है।एक आधिकारिक बयान के अनुसार आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की मौजूदगी में हुई बैठक में आदित्यनाथ ने कहा, सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है।हम सभी जनप्रतिनिधि हैं, हमें जनता के मुद्दों, उनकी समस्याओं को लेकर सदन में सुचारू रूप से चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा।

मोदी ने लोकसभा में गांधी परिवार पर साधा था निशाना,

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने किया पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया। उन्होंने पीएम मोदी पर जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना करने का आरोप लगाया। बता दें, प्रधानमंत्री ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता के लालच में संविधान को बार-बार 'लहूलुहान' किया जबकि 2014 में आई उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का उद्देश्य संविधान की दृष्टि के अनुरूप भारत की ताकत और एकता को बढ़ावा देना है।जयराम रमेश ने कहा, 'अगर नेहरू जी नहीं होते, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का क्या होता? कल उन्होंने झूठ पर झूठ बोला।' उन्होंने आगे कहा, 'ने 1951 में किए गए पहले संशोधन के बारे में बहुत बात की, इस संशोधन के होने के तीन कारण थे, 1) विभाजन के बाद भयंकर सांप्रदायिक प्रचार था, 2) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण प्रावधानों को अदालत ने रद्द कर दिया था, 3) जमींदारी प्रथा को खत्म करने के लिए बनाए गए अधिनियमों को उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था, इससे निपटने के लिए पहला संशोधन आया।'पीएम मोदी ने लोकसभा में आपातकाल का जिक्र किया था। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि जब देश संविधान 25 वर्ष पूरे कर रहा था तब हमारे देश में संविधान को नोंच

उमर अब्दुल्लाँ ने कांग्रेस को ईवीएम का रोना बंद करके चुनाव परिणाम स्वीकार करने की सलाह दी

एजेंसी

नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने महत्वपूर्ण सहयोगी के साथ टकराव के एक और मुद्दे को छेड़ते हुए कांग्रेस पार्टी की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर तीखी आपत्ति को खारिज किया और एक तरह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रुख को दोहराते हुए कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो परिणाम स्वीकार कर लें और जब हार जायें तो ईवीएम पर दोष मढ़ दें।

उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को ह्यपीटीआई-भाषाह्न के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ह्यह्यजब इसी ईवीएम के इस्तेमाल से संसद में आपके सौ से अधिक सदस्य पहुंच जाते हैं और आप इसे अपनी पार्टी के लिए जीत का जश्न मनाते हैं, तो आप

कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि... हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।यह कहे जाने पर कि वह भाजपा के एक ह्यप्रवक्ताह्न की तरह बात कर रहे हैं, तो अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा, ह्यह्यईश्वर ना करें।ह्न उन्होंने फिर कहा, ह्यह्यनहीं, यह ऐसा ही है...जो सही है वह सही है।ह्न उमर ने कहा कि वह गठबंधन सहयोगी के प्रति निष्ठा के बजाय सिद्धांतों के आधार पर बोलते हैं और सेंट्रल विस्टा जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अपने समर्थन को अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण बताया।नेशनल कांफ्रेंस नेता अब्दुल्ला ने कहा, ह्यह्यहर किसी की धारणा के विपरीत, मुझे लगता है कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा परियोजना के साथ जो हो रहा है वह एक बहुत अच्छी चीज है। मेरा मानना ??है कि नया संसद भवन बनाना एक बेहतरीन विचार था। हमें नये संसद भवन की आवश्यकता थी। पुराना भवन अपनी उपयोगिता खो चुका है।ह्न उन्होंने कहा कि अगर पार्टियों को मतदान तंत्र पर भरोसा नहीं है तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्ययदि आपको ईवीएम से दिक्कत है, तो उसे लेकर आपका रुख एकसमान रहना चाहिए।

उनसे पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि आम तौर पर विपक्ष, खास तौर पर कांग्रेस ईवीएम पर ध्यान केंद्रित करके गलत रास्ता अपना रही है।

वक्फ बिल न्याय का गला घोंटने वाला बिल है, मौलाना अनीसुर रहमान कासमी

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढीः ऑल इंडिया मीली काउंसिल के उपाध्यक्ष मौलाना अनीसुर रहमान कासमी ने वक्फ बोर्ड बिल में शामिल विभिन्न बिंदुओं का जिक्र किया और बताया कि कैसे सरकार मुसलमानों की संपत्ति पर कब्जा करने की साजिश कर सकती है.

मौलाना ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक न केवल वक्फ की परिभाषा, संरक्षक की भूमिका और वक्फ बोर्ड की शक्तियों को बदलता है, बल्कि पहली बार केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने का प्रावधान भी करता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक सरकार को वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने की सुविधा भी प्रदान करता है। सरकार ने वक्फ वाली संपत्तियों पर निर्णय लेने की पूरी शक्ति कलेक्टर को दी गई है, वक्फ संपत्तियों पर विवाद के मामले में वक्फ ट्रिब्यूनल को इसका निपटारा करने का अधिकार था, लेकिन प्रस्तावित विधेयक में यह शक्ति कलेक्टर को दे दी गई है। मौजूदा वक्फ अधिनियम के तहत कोई भी विवाद एक साल के भीतर वक्फ ट्रिब्यूनल के समक्ष लाया जा सकता था, जिसके बाद उस पर सुनवाई नहीं हो सकती थी। कलेक्टर और सरकारी अधिकारियों को मनमानी कर ने की शक्ति देते हुए इस शर्त को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक में यह शर्त भी शामिल है कि अपनी संपत्ति समर्पित करने वाला व्यक्ति कम से कम पिछले 5 वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा हो. यह प्रावधान नैतिक सिद्धांतों और भारतीय संविधान की भावना के विरुद्ध है। वर्तमान कानून के तहत, किसी भी व्यक्ति को धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किसी भी चल या अचल

संपत्ति को स्थायी रूप से दान करने की अनुमति है। उन्होंने सवाल किया कि यह कौन तय करेगा कि कोई व्यक्ति लंबे समय से इस्लाम का पालन कर रहा है या नहीं, जबकि विधेयक गैर-मुस्लिमों को सदस्य बनने की अनुमति देता है। यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि वक्फ संपत्ति सरकार की नहीं है, बल्कि मुसलमानों की निजी संपत्ति है, जो धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित है। वक्फ बोर्ड की भूमिका सिर्फ इन संपत्तियों का प्रबंधन करना है। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में मौलाना अब्दुल वदूद मजाहिरी, मौलाना नफी आरिफी, डॉ. साजिद अली खान, मौलाना अबुल कलाम शमशी, मुफ्ती सोहेल अहमद कासमी, शफीक अहमद खान, जलालुद्दीन शामिल थे। खान, मौलाना तनवीर शम्सी, मौलाना रिजवान कासमी

चिराग पासवान जी ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा प्रहार किया है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय प्रसंस्करण उद्योग मंत्री माननीय श्री चिराग पासवान जी ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा प्रहार किया है।तेजस्वी की इस घोषणा पर जब उनकी सरकार बनेगी तो माता और बहनों के लिए कई योजना चलाई जाएगी।तेजस्वी की इस ऐलान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पटना में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब मां-बहनों की इज्जत लूटी जाती थी। उस वक्त कहां थे, जब उनके ही परिवार के दो-दो मुख्यमंत्री रहा करते थे। उस वक्त मां-बहनों की चिंता क्यों नहीं हुई? आज जब एनडीए की सरकार इस तरह की योजना ला रही है तो उनकी नकल कर रहे हैं।आगे श्री चिराग ने कहा कि जिस तरीके से आज एनडीए में एकजुटता है ,अगर 2020 में यही एकजुटता होती तो यह लोग दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकते थे लेकिन 2025 में हम लोग 225 से भी ज्यादा सीटें जीतकर एनडीए बिहार में सरकार बनाने जा रही है, इसमें अब कहीं, कोई संदेह नहीं है इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

उर्दू के विकास के लिए बिहार सरकार हमेशा प्रयत्नशील रहती है: जिलाधिकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान 15 दिसम्बर 24 रविवार। सिवान टाउन हॉल में आयोजित उर्दू के विकाश और विषय पर सेमिनार, कार्यशाला और मुशायरा का आयोजन किया गया। उर्दू निदेशालय पटना के तत्वाधान आयोजित सेमिनार का उदघाटन सिवान जिला पदाधिकरी श्री मुकुल कुमार गुप्ता ने विधिवत उदघाटन किया। इस मौके पर सिवान जिला उर्दू पत्रिका का विमोचन सिवान जिला प्रशासन के जिला स्तरीय अधिकारीयों ने किया। वही जिला पदाधिकारी ने बताया की उर्दू बिहार राज्य के द्वितीय भाषा है जिसे बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त है। उर्दू के विकास के लिए बिहार सरकार हमेशा सतत प्रयत्नशील रहती हैं। प्रत्येक वर्ष उर्दू निदेशालय पटना के तत्वाधान में आयोजित किया जाता है। साथ है जिला उर्दू पत्रिका का विमोचन प्रत्येक

वर्ष किया जाता है। और इस पत्रिका का वितरण सभी पदाधिकारी और बुद्धिजीवियों के बीच वितरण कराया जाता है। वही बता दे की पिछले वर्ष यह आयोजन 30 नवम्बर 2023 को किया गया था। वही इस सेमिनार और मुशायरा में भाग लिए प्रतिभागियों को जिला पदाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और सभी को शुभकामनाएं दी। वही मैट्रिक, इंटर, स्नातक स्तर के छात्र छात्राओं में प्रथम स्थान पर एक एक और द्वितीय स्थान पर तीन तीन व तृतीय स्थान पर चार चार यानी कुल,24 सफल प्रतिभागियों को भी जिला पदाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला उदूकोषांग प्रभारी उपेन्द्र कुमार यादव सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए उर्दू निदेशालय पटना के निदेर्शानुसार कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। वही टाऊन हॉल में वक्ताओं ने अलग अलग विषयों पर जिला उर्दू कोषांग के कार्यक्रम के प्रथम सत्र में आलेख्य पाठक विषय शीर्षक उर्दू जबान के जरिए रोजगार के बेहतर विषय पर चर्चित लोगों ने चर्चा किया। जिसमें पाटलिपुत्रा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सफदर इमाम कादरी, और इसी यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर डॉ नीलोफर यास्मीन, और सिवान शहर के इस्लामिया नगर के प्रोफेसर डॉ, इरशाद अहमद ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। और इसके इलावा सिवान जिला के कई उर्दू भाषा के नामचीन हस्तियों ने भी विचार व्यक्त किए।

बिहार में कम पढ़े-लिखे लोग व मजदूरों के लिए बिहार सरकार को ध्यान देने की जरूरत - चंद्रकिशोर पासवान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय) विधान सभा उमीदवार चंद्रकिशोर पासवान ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वे बिहार के कम पढ़े-लिखे लोगों और मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएं। उनका कहना है कि राज्य में लाखों मजदूर और कम पढ़े-लिखे लोग हैं, जिन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के बेहतर अवसरों की सख्त आवश्यकता है।बिहार में श्रमिक वर्ग के लिए रोजगार के अवसर भी कम हैं। अधिकांश लोग खेतों में काम करते हैं या फिर छोटे-मोटे व्यवसायों में लगे होते हैं। चंद्रकिशोर पासवान का कहना है कि राज्य सरकार को बिहार के मजदूरों के लिए स्थिर और बेहतर रोजगार की योजना बनानी चाहिए। साथ ही, श्रमिकों के लिए औद्योगिकीकरण और अन्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकें।चंद्रकिशोर पासवान ने मजदूरों

के अधिकारों की सुरक्षा पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन, कामकाजी स्थितियों की सुधार और सुरक्षा की गारंटी की आवश्यकता है। इसके अलावा, उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी मिलना चाहिए, ताकि वे कठिन परिस्थितियों में भी अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें सरकार से उम्मीद चंद्रकिशोर पासवान ने बिहार सरकार से अपील की है कि वह इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दें और एक समग्र योजना बनाकर कम पढ़े-लिखे लोगों और मजदूरों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए काम करें।

कृष्णानन्द झा के निधन पर डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अपने शोक संदेश में डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि स्व0 कृष्णानन्द जी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित विनोदानन्द झा के सुपुत्र थे। कृष्णानन्द जी सौम्य व्यक्तित्व के धनी इंसान थे। वे पहली वार 1983 में चन्द्रशेखर प्रसाद सिंह के कार्यकाल में सिंचाई एवं राजभाषा मंत्री बनाये गये थे। उन्होंने तीन बार मधुपुर विधान सभा का प्रतिनिधित्व भी किया। उनकी राजनीति क्षेत्र के साथ-साथ समाजिक कार्यो में गहरी अभिरूचि थी ।बिहार सरकार के मंत्री के रूप में राजभाषा के उत्थान के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर की संस्था हिन्दी विद्यापीठ के व्यवस्थापक बनकर अंतिम सांस तक आगे बढ़ाते रहे। डा0 सिंह ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की इस विषम घड़ी को सहने की शक्ति और साहस देने की कामना की। कृष्णानन्द झा के निधन पर विधान मंडल दल के नेता डा0 शकील अहमद खान, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, नरेन्द्र कुमार, प्रेमचन्द्र मिश्रा, डॉ समीर कुमार सिंह , निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, लाल बाबू लाल ने भी शोक व्यक्त किया है।

वीआईपी द्वारा लगाया गया निःशुल्क शिवर, दर्जनों लोगों ने उठाया लाभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के बसंतपुर रमणी पंचायत के नव टोल गांव में पूर्व प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के पुण्यतिथि के अवसर पर विकासशील इंसान पार्टी के ओर से निःशुल्क शिविर आयोजन किया गया। जिसमें आयुष्मान कार्ड, मतदाता सूची में नाम जोड़ना, पैन कार्ड, एचडीएफसी बैंक में सभी प्रकार का खाता खोलना, एचडीएफसी बैंक में सभी प्रकार का ऋण, बिजली बिल, श्रम कार्ड, एलआईसी प्रीमियम आदि के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। इधर पूछे जाने पर वीआईपी के प्रखंड अध्यक्ष पप्पू कुमार सहनी ने बताया कि आज दो दर्जन से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। उन्होंने बताया कि जिनका आयुष्मान कार्ड बना है वे पांच लाख तक का ईलाज करा सकते हैं। निःशुल्क शिविर के अवसर पर वीआईपी के प्रखंड अध्यक्ष पप्पू कुमार, सहनी, बसंतपुर रमनी के पंचायत अध्यक्ष शशि रंजन, गोही के पंचायत अध्यक्ष एखलाक अंसारी, सतमलपुर के पंचायत अध्यक्ष मो रेयाज, तेतर सहनी, गनौर सहनी, ललित सहनी, प्रदीप सहनी, विमल सहनी, मनोज सहनी, नारायण सहनी, नीलम सहनी, सुबोध सहनी, मोहिउद्दीनपुर के पंचायत लाल बाबू चौधरी, राम प्रीत सहनी आदि मौजूद थे।

मुफ्फसिल थानान्तर्गत सड़क मार्ग, लूट गिरोह का पदार्फाश

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- 05 अपराधकर्मियों को अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ के साथ किया गया गिरफ्तार
- चोरी की गाड़ी, मोबाईल एवं लूटा गया ट्रक बरामद ।

दिनांक-30.11.24 को मुफ्फसिल थाना की सूचना प्राप्त हुई कि थाना अंतर्गत ग्राम-छूरी छपरा में 01 लाल रंग के नेक्सोन गाड़ी पर सवार कुछ अपराधकर्मियों द्वारा 01 ट्रक एवं मोबाईल लूटने की घटना कारित की गई है। जिस संदर्भ में मुफ्फसिल थाना कांड से-704/24 दिनांक 01.12.24 धारा-309 (4) इठर दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक सारण के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर- 1 के नेतृत्व में मुफ्फसिल थानाध्यक्ष एवं मुफ्फसिल पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे घटनाक्रम का पदार्फाश कर लूटा गया ट्रक एवं मोबाईल बरामद कर 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं लूट की घटना में उपयोग किए गए लाल रंग की नेक्सोन गाड़ी, अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ भी बरामद किया गया है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

>गिरफतार अभियुक्त का नाम एवं पता

1. प्रिंस पाण्डेय उर्फ भुवर, पे० शैलेश कुमार पाण्डेय, सा०-तरवारा, थाना-भेल्दी, जिला- सारण।
2. अजित सिंह उर्फ राजा, पे०- राजू सिंह, सा०- जगदीशपुर, थाना- मढ़ौरा, जिला-सारण।
3. मृत्युंजय सिंह, पे०-छट्टू सिंह, सा०-जगदीशपुर, थाना- मढ़ौरा, जिला-सारण।
4. निखिल कुमार, पे०- नरेन्द्र पाठक, सा०-परेदी बैज, थाना-मढ़ौरा, जिला-सारण।
5. युवराज कुमार, पे०- राजेश सिंह, सा०-परेढ़ी बैज, थाना-मढ़ौरा, जिला-सारण।

रहिका थाना क्षेत्र में गोली लगने से घायल युवक की मौत मामले में मधुबनी एसपी सुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी कई अहम जानकारी घटना का हुवा खुलासा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के रहिका थाना क्षेत्र में गोली लगने से घायल युवक की मौत मामले में मधुबनी एसपी सुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी कई अहम जानकारी * बताया गया की रहिका थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के अंदर पार्टी कर रहे थे। युवक जहां पार्टी में पिस्टल से गोली चल गई। गोली लगने से युवक घायल की मौत होगी इस मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया मधुबनी जिला रहिका थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के अंदर पार्टी कर रहे थे। युवक जहां पार्टी में पिस्टल से गोली चल गई। गोली लगने से युवक घायल पुलिस को सुचना मिली की रहिका थाना क्षेत्र के मारर गांव में घर के अंदर पार्टी कर रहे थे। तीन युवक जहां पार्टी में पिस्टल सीखने के दौरान गोली चल गई। उक्त गोली युवक के पजरे में जा लगी। जिससे लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया था। अधिक घायल देख परिजन ने आनन फानन सदर अस्पताल इलाज को लेकर लाया। परंतु चिकित्सकों ने देखते हुए गंभीर रेफर कर दिया। रेफर के दौरान परिजन ने शहर के निजी अस्पताल लेकर गया। परंतु इलाज के क्रम में मौत हो गया। मृतक युवक की पहचान अजीत पासवान के रूप में हुआ था। वही घटना होने से रहिका थाना,राजनगर थाना,खजौली थाना,घटना स्थल पर जाकर मामले की जांच में जुट गए थे। जबकि मृतक के मां मंजू देवी ने रहिका थाना में फर्ज बयान दी। जिसमें चार युवक को नामजद किया गया, तथा कांड अंकित कर घटना को लेकर तीनों थाना पुलिस को टीम गठित कर घटना में संलिप्त युवक को पकड़ने हेतु छापेमारी का निर्देश दिया गया था। पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता कर उक्त बातें बताई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि, मृतक अजीत कुमार पप्पू पासवान के यहां नौकरी करता था। नौकरी करने के बाद मृतक अपने घर के लिए चला गया।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने पूर्व प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल का मनाया पुण्यतिथि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को मोरवा विधानसभा अंतर्गत लसकारा वार्ड संख्या 1 में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद के अध्यक्षता में देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि मनाई गयी। समारोह को सबसे पहले उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुरू किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरदार बल्लभभाई पटेल भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता तथा राजनेता थे। उन्हें लोग सरदार पटेल के नाम से जानते है। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता थे। जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे अहम भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत के देशी रियासतों के एकीकरण की महान चुनौती को उन्होंने सफलता पूर्वक हल किया। 1947 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृहमंत्री के रूप मे सधे हुए राजनीतिज्ञ की कार्य किया। मौके पर मौजूद सभी वक्ताओं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके जीवनी पर प्रकाश डाला। पुण्यतिथि सभा में पूर्व जिलापार्षद विभा देवी, देवनारायण सिंह, डॉ दिलीप कुमार चौधरी जिलाध्यक्ष, मनोज कुमार राम, रामानंद सिंह, शिवनन्दन राम, आत्माराम सिंह, मो रहमत, शाहिद फिरोज, अनिल कुमार महतो, छोटू कुमार चौधरी, दिलीप कुमार, संजय कुमार राम, मुकेश कुमार चौधरी, संजय चौधरी निषाद, अनिल सिंह कुशवाहा, मिथिलेश महतो, राजेंद्र दास, अमरजीत कुमार, रूबी परवीन, शाहजहाँ बेगम, मो बसीर आदि मौजूद थे ।

जन सुराज राज्य कोर कमिटी की पहली बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव हुए पारित, संविधान, झंडा और प्रचार समिति पर बनी सहमति

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

पटना, जन सुराज राज्य कोर कमिटी की पहली बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव हुए पारित, संविधान, झंडा और प्रचार समिति पर बनी सहमति

2 अक्टूबर 2024 को जन सुराज अभियान के राजनीतिक दल के परिवर्तित होने के बाद राज्य की 125 सदस्यीय कोर कमिटी की घोषणा की गई थी। आज 15 दिसंबर को राज्य कोर कमिटी की पहली बैठक पटना में आयोजित की गई। बैठक में जन सुराज के अभियान सूत्रधार प्रशांत किशोर, पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज भारती, कोर कमिटी के सभी सदस्य, सभी जिलाध्यक्ष और जिला महासचिव शामिल हुए। पार्टी को मजबूत करने के लिए और जन सुराज की सोच को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से कई अहम प्रस्ताव पारित हुए। आज की बैठक में पारित हुए प्रस्ताव इस प्रकार हैं -

1. 125 सदस्यीय कोर कमिटी से 25 सदस्यीय कार्यकारिणी परिषद का गठन
2. संगठनात्मक चुनाव, नामांकन और उसकी प्रक्रिया का निर्धारण
3. प्रदेश स्तर पर 10 उपाध्यक्ष, 10 महासचिव, 10 प्रवक्ता और 5 सचिव का चयन
4. जन सुराज के झंडा और लोगो पर सहमति
5. जन सुराज के संविधान पर चर्चा और संवाद
6. 11 सदस्यीय प्रचार समिति, विधानसभा प्रभारियों और जिला पर्यवेक्षकों का चयन
7. जननायक कपूर्री ठाकुर जी की जयंती पर 24 जनवरी को कार्यक्रम की परियोजना
8. प्रखंड स्तर पर समाज के सभी वर्गों के बीच 2500 से अधिक जन सुराज संवाद का आयोजन
9. युवाओं के नेतृत्व में राज्यव्यापी बाइक यात्रा का आयोजन
10. बिहार विधानसभा चुनाव हेतु उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पर चर्चा

कोर कमिटी की बैठक में उपरोक्त सभी प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा हुई और सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि जन सुराज के विचारों को बिहार के सभी वर्ग के लोगों तक पहुंचाना है और बिहार में एक नई राजनीतिक व्यवस्था के माध्यम से अगले 10 वर्षों में बिहार को देश के दस अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कराने के सपने को साकार करना है।

सर्दी के मौसम में हार्ट रोगी बरतें सावधानी: डॉक्टर रामनरेश शर्मा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

नावकोठी बेगूसराय ' सुबह- शाम की सर्दी में हर्ट रोगी रहें सावधान। जरा सी लापरवाही घातक हो सकती है।यह जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर रामनरेश शर्मा ने दी।उन्होंने बताया कि अब सुबह - शाम की सर्दी में तेजी देखी जा रही है। ऐसे में उच्च रक्तचाप से पीड़ित मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना चाहिए।मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर के साथ-साथ बाएं हाथ में दर्द हो तो उसे अनदेखा न करें।उन्होंने बताया कि भागम-भाग व तनाव भरी जिंदगी में लोग स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह होते हैं जिसके कारण मधुमेह व हाइपरटेंशन के शिकार हो जाते हैं।हाइपरटेंशन से बचने के लिए नियमित 40 मिनट का व्यायाम जरूर करें।तलीय पदार्थ का सेवन कम से कम करें।बिना डॉक्टर की सलाह के बिना दवा का सेवन न करें।सीने में दर्द और घबराहट हो तो उसे नजर अंदाज न करें। तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।वहीं उन्होंने बढ़ती ठंड में बूढ़े और बच्चों का विशेष ख्याल रखने का अनुरोध किया।

32 दिवसीय हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2024 का हुआ विधिवत समापन

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

■ माननीय मंत्री पर्यटन विभाग एवं उद्योग विभाग श्री नीतीश मिश्रा ने पुष्प सिंचन कर हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला का विधिवत किया समापन।

इस अवसर पर माननीय मंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग श्री जनक राम, माननीय सदस्य बिहार विधान सभा श्री सच्चिदानंद राय, माननीय विधायक छपरा श्री सी एन गुप्ता, माननीय विधायक सोनपुर डॉ० रामानुज प्रसाद, माननीय विधायक अमनौर श्री कृष्ण कुमार मंटू, आयुक्त सारण प्रमंडल छपरा श्री गोपाल मीणा, जिलाधिकारी श्री अमन समीर, पुलिस अधीक्षक डॉ० कुमार आशीष सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यटन विभाग बिहार द्वारा सोनपुर मेला, श्रावणी मेला एवं पितृपक्ष मेला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इस मेले की भव्यता को आगामी समय में और भी वृहत बानाने हेतु सार्थक पहल की जायेगी। इस मेले की ब्रांडिंग हेतु भी विशेष प्रयास किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने मेला के सफल आयोजन को लेकर तमाम संबंधित विभाग यथा- पर्यटन विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग एवं अन्य सभी संबंधित विभागों को धन्यवाद दिया। मेला में सक्रिय योगदान हेतु सिविल डिफेंस, स्काउट एंड गाइड, सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, स्थानीय प्रशासन आदि की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण मेला में कोई भी बड़ी घटना नहीं हुई, जो पुलिस प्रशासन की सक्रिय भूमिका को बयां करता है।उन्होंने बताया कि मेला में 1772 घोड़े का क्रय/विक्रय हुआ, अन्य पशुओं की बिक्री के बारे में भी बताया गया। इस मेले में 45 सरकारी/गैर सरकारी विभागों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सोनपुर मेला को लेकर भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से हरिहर नाथ कॉरिडोर बनाने, मेला क्षेत्र की आन्तरिक सड़कों का चौड़ीकरण, एन एच से मेला क्षेत्र को सीधा जोड़ने, सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में बिजली के तारों को भूमिगत करने आदि हेतु प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने अपने संबोधन में कहा कि भविष्य में इस मेले को और भी बेहतर बनाने हेतु प्रयास किया जायेगा। उन्होंने मेला प्रबंधन में सभी प्रतिनियुक्त सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के कार्यों की सराहना की। स्थानीय विधायक डॉ० रामानुज प्रसाद ने इस मेले के व्यवसायिक पहलू को देखते हुये इसकी अवधि 2 महीने करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर विधायक श्री सी एन गुप्ता, विधायक श्री कृष्ण कुमार मंटू, विधान पार्षद श्री सच्चिदानंद राय, मंत्री श्री जनक राम ने भी अपना संबोधन दिया। विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र द्वारा मेला में लगाये गये प्रदर्शनी/स्टॉल को पुरस्कृत किया गया। केंद्रीय सरकार के विभागों में प्रथम स्थान रेल ग्राम, द्वितीय पुरस्कार कोल इंडिया एवं खान मंत्रालय तथा तृतीय पुरस्कार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को दिया गया। राज्य सरकार के विभागों में प्रथम पुरस्कार डीआरडीए, द्वितीय पुरस्कार बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं महिला विकास निगम को संयुक्त रुप से तथा तीसरा पुरस्कार सहकारिता एवं राज्य स्वास्थ्य समिति को संयुक्त रूप से दिया गया।

सीवान 14 दिसम्बर 24 वार्ता डॉ विजय कुमार पाण्डेय नेशनल लोक अदालत में 888 मामले निष्पादित, पूरे दिन वादकारियों का लगा रहा तातां

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी नई .दिल्ली के निदेर्शानुसार आज व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार सीवान के तत्वावधान में आल मैटर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 888 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। मामलों के निष्पादन के लिए कुल13 न्यायिक बेचो का गठन किया गया था। सभी न्यायिक बेंचो के द्वारा मामलों का निष्पादन देर शाम तक किया जाता रहा।जिन 888 मामलों का निष्पादन किया गया। उसमें बैंक के 359 मामले, जबकि अपराधिक सुलहनिय वाद के 529 एमएसीटी के दो , मैट्रिमोनियल वाद के तीन , ग्राम कचहरी 62 मामले शामिल हैं। वहीं बैंकों के द्वारा दो करोड़,एक लाख, चौदह हजार ,छह सौ पचिस रुपए का समझौता विभिन्न वादों में किया गया।

इसके पूर्व सुबह10.30 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला जज मोतिश कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का विधिवत उदघाटन किया।कार्यक्रम में सभी न्यायिक पदाधिकारी पैनल एडवोकेट पीएलवी उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सुनील कुमार सिंह ने किया

प्रखंड फेयर प्राइस डिलर्स एसोसिएशन कि विशेष बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणापुर प्रखंड फेयर प्राइस डिलर्स एसोसिएशन कि विशेष बैठक वीरसिंहपूर में बाबा नरसिंहनाथ राइस मिल प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष सह जिला महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने की। बैठक का संचालन प्रखंड सचिव कामेश्वर राय ने किया। बैठक का मूल उदेश्य बिहार प्रदेश फेयर प्राइस डिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वरुण कुमार सिंह के आहवान पर बिहार के 55000 हजार जनवितरण प्रणाली विक्रेताओ की बिहार सरकार के यहां लम्बित आठ सूत्री मांगों के समर्थन में दिनांक 17 दिसंबर को पटना में विहार के मुख्यमंत्री का घेराव व एक दिवसीय घरना पदर्शन का आयोजन किया गया है। जिसमें बिहार के 55000 जनवितरण प्रणाली दिनांक 17 दिसंबर को पटना के कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया। बैठक को संबोधित करते एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष सह जिला महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने कल्याणपुर प्रखंड के उपस्थित सभी विक्रेताओ को उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में पटना में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अनुरोध किया जिससे चट्टानी एकता का प्रदर्शन बिहार सरकार के मुखिया के समक्ष हो सके।

मुख्य सचेतक जनक सिंह ने जन्मदिन पर भाजपा कार्यालय में 100 से अधिक पौधे लगाए, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 15 दिसंबर। बिहार विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक जनक सिंह आज अपना जन्मदिन भाजपा प्रदेश कार्यालय में मनाया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश कार्यालय में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर बाल संरक्षण आयोग के सदस्य राकेश सिंह और सुग्रीव दास सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा के विधायक जनक सिंह के जन्मदिन के मौके पर प्रदेश के दिग्गज नेताओं और कार्यकताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपना जन्मदिन प्रदेश कार्यालय में मनाया और मिठाईयां बांटी। इस मौके पर उन्होंने कार्यालय परिसर में 100 से अधिक पौधों का रोपण किया, जिसमे पांच तरह के फलदार पौधे हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर लोग केक काटकर जन्मदिन मनाते हैं लेकिन हमने पौधारोपण कर जन्मदिन मनाया है।

उन्होंने कहा, "सनातन धर्म में प्रकृति पूजन को प्रकृति संरक्षण के तौर पर मान्यता है। भारत में पेड़-पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रकृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गई है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है। आज आधुनिकता के नाम पर इन्हें हम नुकसान पहुंचाने पर उतर आए हैं।" उन्होंने इस क्रम में 'वृक्ष लगाएं, जीवन बचाएं, का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से जन्मदिन के मौके पर पौधारोपण करने की अपील की। इस मौके पर वरिष्ठ नेता सुरेंद्र तिवारी, संजय निषाद, आनन्द मिश्र, रविश कुमार, राज कुमार सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सदैव प्रेरणा देंगे सरदार पटेल: डॉ. दिलीप जायसवाल

■ सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर भाजपा कर रही है भारत के सपनों को साकार: डॉ. दिलीप जायसवाल

■ राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल का योगदान अविस्मरणीय: डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 15 दिसंबर।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने रविवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन और उनके आदर्श राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं, जो हमें सतत प्रेरणा देते रहेंगे।डॉ. जायसवाल ने कहा, "राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सरदार पटेल का जीवनभर किया गया प्रयास अमूल्य है। उनकी महान सेवाएं, प्रशासनिक कुशलता और राष्ट्र को एकजुट करने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को सदैव स्मरण किया जाएगा।उन्होंने सरदार पटेल के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आजादी से पहले छोटे-छोटे रियासतों में बंटे भारत को एकजुट करने के उनके प्रयास अतुलनीय थे। उनके प्रयासों से भारत लोकतांत्रिक प्रणाली के अंतर्गत एक संगठित राष्ट्र बन सका।डॉ. जायसवाल ने अपने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर संदेश में लिखा,"भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के संरक्षक, देश के प्रथम गृहमंत्री, लौह पुरुष ह्यभारत रत्नह्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी आज सरदार पटेल के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

महिलाओं को लुभाने के लिए चुनावी जुमला छोड़ रहे हैं तेजस्वी यादव: - अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ विधानसभा के चारों उपचुनाव एवं 2025 के प्रचंड हार को देखते हुए तेजस्वी यादव का यह जुमला है:- अरविन्द सिंह

पटना, 15 दिसम्बर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पर प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि चारों विधानसभा उप चुनाव में करारी हार के कारण और आगामी 2025 विधानसभा में अपनी प्रत्यक्ष हार को देखते हुए महिलाओं को लुभाने के लिए चुनावी जुमला छोड़ रहे हैं तेजस्वी यादव।जिस राजद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू यादव के शासनकाल में महिलाएं, बच्चियां शाम ढलते घर से बाहर निकलने से पहले दस बार सोचती थी। और बच्चे बच्चियों के लिए स्कूल के नाम पर चरवाहा विद्यालय खोल कर रख दिया गया था वें महिलाओं पर अब प्रवचन कर रहे हैं।मैं नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव जी को चुनौति देता हूं कि आपमें दम है तो नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी राजद के किसी महिला कार्यकर्ता को या नहीं तो आपने किसी बहन को दे दें। अपने बड़े भाई का कुर्सी को तो आपने हथिया लिया है। अब कोई अपने सगी बहन को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी दे दें तो बिहार की जनता को समझ में आ जाएगा कि महिलाओं के प्रति आपके मन में सम्मान है। श्री अरविन्द ने कहां कि जिनके पिता मुख्यमंत्री महिला संवाद यात्रा पर मा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को "आंख सेंकने" जा रहें हैं। का घटिया बयान देकर बिहार की महिलाओं का अपमान कर रहे है। उनका सोच और समझ बिहार की जनता जानती है। उनके हितों की बात के नाम पर चुनावी जुमला फेंक कर हवाबाजी कर रहे हैं नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव। जिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिलाओं के बारे में अभद्र टिप्पणी करते रहते हैं। और जिनके शासनकाल में सबसे ज्यादा महिलाएं प्रताड़ित हुई है। वें मा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के महिला संवाद यात्रा एवं महिलाओं के उत्थान के बारे में उनके महिला विकास कार्यक्रमों से डर गए हैं।

पुलिस ने किया 24 घंटा के अंदर लूट के घटना का सफल उदभेदन, लूटी गयी पिकअप के साथ 4 अपराधकर्मियों को किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। एएसपी संजय कुमार पांडे ने प्रेस वार्ता कर बताया कि दिनांक 13.12.2024 की रात्रि में पिकअप रजि०स० इफ01ऋ, 7374 के चालक रवि कुमार पिता सुबोध कुमार साकिन प्रताप बिगहा, थाना मखदुमपुर, जिला जहानाबाद पटना से अपने पिकअप पर 130 बंडल नशमुक्त बिहार के पंपलेट के साथ मधेपुरा उत्पाद थाना के लिए चले। करीब 10:00 बजे रात्रि में वरूणा पुल के पास एक अपाचे बाईक पर सवार 02 व्यक्ति एवं एक स्कारपियों पर सवार अज्ञात व्यक्ति के द्वारा पिस्तौल से जान मारने का भय दिखाकर उक्त पिकअप को लूट लिया गया। जिस संबध में उक्त पिकअप चालक के आवेदन के आधार पर सरायरंजन थाना कांड सङ्ख175/24 दर्ज किया गया।

सूचना प्राप्त होते ही थानाध्यक्ष सरायरंजन एवं मुसरीघरारी थाना द्वारा पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा तुरंत अपर पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर 1 समस्तीपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। विशेष टीम के सदस्यों द्वारा त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए जिला के सभी पुलिस चेकपोस्ट एवं थानाध्यक्ष को घटना का सूचना देते हुए अर्लट मोड में रहने का निर्देश दिया गया। तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा अपराधधियों का पीछा करते हुए ग्राम विक्रमपुर बांदे, थाना कपूर्रीग्राम से लूटी गई पिकअप एवं एक स्कॉरपियों गाड़ी तथा अन्य निम्न समान के साथ 04 निम्नांकित अपराधकर्मियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं अन्य अपराधकर्मी भागने में सफल रहे। बरामद समान को विधिवत जप्ती सूची बनाकर जप्त किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का अपराध स्वीकारोक्ति ब्यान लिया गया है। जिससे पता चला कि सक्रिय एवं पेशेवर अपराधकर्मी संतोष साहनी के गिरोह 07 अपराधकर्मियों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है, ये सभी अवैध शराब के कारोबार से भी जुड़े हुए है। अन्य अपराधकर्मियों को भी चिन्हित किया गया है, जिनके गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी जारी है। उन्होंने बताया कि इस कांड को धारा 310 (2) के तहत सत्य मानकर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है, सभी बिन्दुओं पर गहराई से जाँच कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

दो पक्षों के आपसी विवाद में गोली लगने से दो की मौत, पुलिस कर रही है कैंप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र में दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के करीमनगर क्षेत्र में देर रात दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान गोलीबारी की घटना हुई। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये, जिनमें दो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान करीमनगर पंचायत के उप सरपंच तपेश्वर सिंह के पुत्र नवीन कुमार सिंह और अजय सिंह के पुत्र गौरव कुमार के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि वर्षों से चली आ रही भूमि विवाद को लेकर यह घटना का अंजाम दिया गया जिसमें दो की मौत हो गई, जबकि तीसरे जख्मी युवक सौरभ कुमार की हालत नाजुक बताई जा रही है। वही इस मामले को लेकर स्थानीय पुलिस घटना स्थल पर कैंप कर रही है। इधर गौरव कुमार और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों को इलाज के लिए पटना ले जाया गया, जहां गौरव कुमार ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल व्यक्त है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

रेलवे स्टेशन परिसर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष शशि कांत राय एवं न्यायिक दंडाधिकारी सह समिति के सचिव निभा आनंद के मार्गदर्शन में रेलवे स्टेशन परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पैनल अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार झा ने बालसा स्कीम, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के समाकलन, पुनर्वास एवं उनके न्याय तक पहुंच सितारा योजना 2023 के बारे में ट्रांसजेंडर लोगों, रेल अधिकारियों, कर्मचारियों, यात्रियों को विस्तारपूर्वक बताया। विधिक जागरुकता शिविर में रेल अधिकारियों, कर्मचारियों, यात्रियों समेत पारा विधिक स्वयं सेविका प्रियंका कुमारी एवं आमलोगों ने भाग लिया।

गोली लगने से घांस काट रही बालिका घायल, उपचार जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के अंगारघाट थाना क्षेत्र के आसाधर गांव में गोली लगने से एक दस वर्षीय बालिका घायल हो गई। जिसका उपचार सदर अस्पताल समस्तीपुर में चल रहा है। घायल बालिका की पहचान अंगारघाट असाधर निवासी मो वकील की 10 वर्षीय पुत्री तबस्सुम खातून के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को एक किसान के खेत में नीलगाय चर रहा था जिसे भगाने के लिए गांव के कुछ युवकों ने उसे भगाने के नीयत से गोली चलाया। गोली नीलगाय को तो नहीं परंतु घांस काट रही एक बालिका को गोली लग गया। जिसे आनन फानन में उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। इधर निजी अस्पताल के डॉक्टर ने बालिका को खतरे से बाहर बताया है।

बिहार के मरीजों के मसीहा डॉक्टर अरुण तिवारी नहीं रहे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के मरीजों के मसीहा डॉक्टर अरुण तिवारी नहीं रहे अरुण तिवारी जैसे लोगों का नहीं रहना बिहार जैसे प्रांत के लिए अपूरणी है क्षति है जानिए क्यों बेहद खास थे डॉक्टर अरुण तिवारी।चिकित्सक को ह्यधरती का भगवानह्न कहा जाता है। इस कथन को सही मायने में साबित कर रहे हैं सेवा भावना के लिए नौकरी छोड़ने वाले डॉ. अरुण तिवारी.बिहार के दूर-दराज इलाकों समेत आसपास के राज्यों के मरीजों का जमावड़ा महेन्द्रू के रानी घाट स्थित एक क्लिनिक पर लगने लगता है। यह सिलसिला देर शाम तक चलता है। बाहर एक छोटा-सा बोर्ड लगा है- ऊ१. अ१४ल्ल ळ६१. टइइर, टऊ क्लिनिक में एक कमरे के अलावा बरामदानुमा कमरा ही है। इस छोटे से कमरे में चमकती कुर्सियों की जगह सीमेंट का चबूतरा बनाया गया है। कमरा छोटा है। ऐसे में ज्यादातर लोग बाहर खड़े या फिर जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं। इंतजार के लिए टीवी आदि की भी व्यवस्था नहीं है। ऐसे में आपस में बात कर समय बिताना पड़ता है। यहां टेलीफोन से भी नंबर नहीं लगता है, ऐसे में आने के सिवाय दूसरा रास्ता भी नहीं है। मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर का पद छोड़ डॉ. अरुण तिवारी ने निजी प्रैक्टिस की शुरूआत की थी।

देसी चुलाई शराब बरामद

चिफ रिपोर्टर
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

नावकोठी बेगूसराय ' थाना क्षेत्र अंतर्गत हसनपुर बागर पंचायत से पुलिस ने 15 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद किया है।प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गश्ती पुलिस अधिकारी कुंदन रजक को दलबल के साथ सूचना स्थल पर सूचना सत्यापन हेतु भेजा गया।सूचना स्थल पर पहुंचने पर पाया कि हसनपुर बागर वार्ड संख्या 07 बांध से दक्षिण बूढ़ी गंडक नदी के किनारे दियारा क्षेत्र में दो व्यक्ति नाव से देसी चुलाई शराब उतार रहा है।पुलिस को देखते ही हरे रंग का प्लास्टिक का गैलन छोड़ कर नाव से ही बूढ़ी गंडक नदी के उसपार भागने में सफल रहा।भागने वाले व्यक्ति का नाम ग्रामीणों ने लक्ष्मी सहनी तथा टुनटुन सहनी बताया।उत्पाद एवं मद्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दिया गया है।

कांग्रेस सेवादल के प्रांतीय सम्मेलन में डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह बोले सेवादल पार्टी की रीढ़

101वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस सेवादल के सम्मेलन में गरजे डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

■ सेवादल कांग्रेस की रीढ़, इसकी मजबूती जरूरी : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना. रविवार, 15 दिसंबर, 2024

अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के 101 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

प्रांतीय सम्मेलन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक लालजी देसाई , अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रभारी शाहनवाज आलम एवं विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान विशेष रूप से मौजूद रहें' सेवा दल के प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कांग्रेस सेवादल के कार्यकताओं को पार्टी का आधार बताते हुए कहा कि सेवादल हमारे दल का आंख-कान हैं। कालांतर में पार्टी की मजबूती सेवादल के कार्यकताओं का सेवा भाव ही निर्धारित करता था और देश के किसी भी आपदा के वक्त सेवादल के कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी से कार्य करते रहें हैं। उन्होंने कार्यकताओं को आगे बढ़कर दल के मजबूती के लिए कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए नेतृत्व करने की मांग की। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि आप सब लोग बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जी जान से जुट जाएं ताकि आने वाले समय में सेवादल पार्टी को और मजबूती प्रदान करें। सेवा दल को सेवा भाव से और मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर भी उन्होंने कार्य करने का और निरंतर सहयोग देने की बात कही। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक लालजी देसाई ने कहा कि सेवादल अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक है। कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए सेवादल को मजबूत बनना होगा। सेवादल में कार्यकताओं को तैयार कर विचारक बनाया जाएगा जो गांव-गांव जाकर कांग्रेस और गांधीवादी विचारधारा से लोगों को अवगत कराएंगे। उन्होंने कार्यकताओं को जिले में मजबूती से कार्य करने पर जोर दिया। मुख्य संघटक लालजी देसाई ने कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड, सेवादल महिला मोर्चा, सेवादल सहित अन्य विभागों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को भी मतदान केंद्रों पर कार्य करने और बूथ तक मजबूती लाने के लिए निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों और संगठनों के पदाधिकारियों से कहा गया है कि मैदान में कार्य करते रहे और सभी कार्यकताओं में आपसी समन्वय स्थापित रहे। सभी कार्यकर्ता समन्वय बनाकर पार्टी के बेहतरी के लिए कार्य करें। साथ ही पदाधिकारियों से कांग्रेस संगठन के संविधान का पालन करते हुए कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने की आशा जाहिर की सेवा दल विधानसभा स्तर पर नायक और बूथ स्तर पर प्रभारी नियुक्त करेगा ' आप सब लोग पार्टी के लिए कार्य करें और प्रदेश में सरकार बनाएं। सेवादल के प्रदेश और जिला पदाधिकारियों से कहा कि कमजोर मतदान केंद्रों का जिम्मा सेवादल कार्यकताओं को सौंपें। आप लोग मतदान केंद्रों पर मतदान संपन्न होने तक डटे रहें। कौन क्या कर रहा है, कहां गड़बड़ी हो रही या पार्टी की तैयारी में कमी है उसकी सूचना भी अवश्य दें। विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले विधानसभा चुनाव में संगठन और कार्यकताओं के संघर्ष और मेहनत के कारण ही सफलता पाई थी। इसलिए सेवादल को और बेहतर तरीके से इस बार कार्य करना है जिससे सांगठनिक मजबूती दी जा सकें और सांप्रदायिक ताकतों को इस चुनाव में बिहार की सत्ता से दूर रखा जाएं।

प्रांतीय सम्मेलन में कांग्रेस सेवादल प्रभारी अफरोज खान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025, में होने वाले कांग्रेस सेवादल की तैयारी के संबंध में चर्चा की। सेवादल के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सन्दर्भ में जिम्मेदारी सौंपी।

इस दौरान कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक प्रोफेसर डॉ. संजय यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियां सेवादल ने शुरू कर दी है और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशन में बेहतर परिणाम देगी'

प्रांतीय सम्मेलन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह, कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता डा0 शकील अहमद खान, अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक लालजी देसाई, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह प्रभारी शाहनवाज आलम, प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 रामजतन सिन्हा, कौकब कादरी, कृपानाथ पाठक, वीणा शाही, अफाक आलम, डा0 समीर कुमार सिंह, प्रेमचन्द्र मिश्रा, प्रतिमा कुमारी दास, पूर्व सांसद अजय निषाद, कांग्रेस सेवादल के बिहार प्रभारी अफरोज खान, निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, लाल बाबू लाल, डा0 संजय यादव, रूचि सिंह, शिव प्रकाश गरीब दास, शरवत जहां फातमा, राज कुमार राजन, प्रभात कुमार सिंह, ज्ञान रंजन, सौरभ सिन्हा, निधि पाण्डेय, आशुतोष शर्मा, उदय शंकर पटेल, मृणाल अनामय, राजेश मिश्रा , सुदय शर्मा, रवि गोल्डन , विमलेश तिवारी, मो कामरान , नदीम अंसारी, विशाल झा
सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

12 वी बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल में ऐतिहासिक प्रदर्शन कर सारण हुआ विजेता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ उपविजेता बेगुसराय, पटना एवं सीवान को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान की ट्रॉफी

12 वी बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल का फाइनल मैच रविवार को सारण और बेगुसराय के बीच हुआ। जिसमें सारण ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पूरे बेगुसराय को 17 - 09 गोल के बड़े अंतर से पराजित कर चैंपियन विजेता ट्रॉफी अपने नाम किया । पूरे प्रतियोगिता में अजेय रहकर सारण ने पहली बार महिला हैंडबॉल के इस राज्य प्रतियोगिता में चैंपियन ट्रॉफी पर अपना नाम लिखा। बिहार हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में मधेपुरा जिला हैंडबॉल संघ द्वारा कामेश्वर मध्य विद्यालय घैलाढ, मधेपुरा के खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता में लगातार उम्दा प्रदर्शन करने वाली सारण की राष्ट्रीय खिलाड़ी निधि कुमारी को बेस्ट गोल कीपर का अवॉर्ड जबकि सारण से दूसरी राष्ट्रीय खिलाड़ी रागिनी कुमारी को प्लेयर ऑफ टूनामेंट का खिताब मिला। जो संत जलेश्वर एकेडमी बड़ा लौवा बनियापुर की छात्रा है। टूनामेंट का उपविजेता ट्रॉफी बेगुसराय जबकि तृतीय स्थान की ट्रॉफी संयुक्त रूप से पटना एवं सीवान को मिला। प्रतियोगिता के समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जिला पार्षद वी के आर्यन , आरपीएम डिग्री कॉलेज मधेपुरा के प्राचार्य सह आयोजन अध्यक्ष नरेंद्र चंद्र नवीन , बिहार हैंडबॉल संघ के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा बीडीसी सुमन कुमार, बालेश्वर उच्च विद्यालय के प्रधान सुभाष चंद्र , जहानाबाद सचिव आलोक कुमार सहित ने विजेता , उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटा ।रोमांचक मैच नेशनल रेफरी चंदन कुमार के साथ रेफरी बबलू कुमार , संजीव कुमार , आलोक कुमार अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य सफलतापूर्वक करा रहे है।

समस्तीपुर में डबल मर्डर ! आपसी रंजिश में दो पक्षों में गोलीबारी, दो लोगों की मौत, गांव में तनाव.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर में जमीनी विवाद में दो पक्षों में जमकर गोलीबारी हुई है। इस गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। मृतक की पहचान गांव के पूर्व उप सरपंच तपेश्वर सिंह के पुत्र नवीन सिंह और अजय सिंह के पुत्र गौरव कुमार के रूप में हुई। जबकि जख्मी में गौरव का छोटा भाई सौरभ कुमार शामिल हैं। घटना मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के करीमनगर पंचायत के हेमनपुल गांव में शनिवार की रात की है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस की टीम रात से ही गांव में कैम्प भी कर रही है।जानकारी के मुताबिक जमीनी विवाद को लेकर शनिवार को दिन में दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इस दौरान लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों तरफ के लोगों को शांत करा दिया। इसके बाद सभी लोग गौरव के भगीना का छठ्ठी का कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान छठी का भोज खत्म होने के बाद देर रात दोनों पक्षों में फिर से गाली-गलौज और हाथापाई होने लगी। जिसके बाद दोनों एक-दूसरे परगोलीबारी करना शुरू कर दिया। दोनों पक्षों ने आधा दर्जन से अधिक राउंड गोली चलाई। इस गोलीबारी में गोली लगने से अजय सिंह के पुत्र सौरभ और गौरव दोनों भाई जख्मी हो गए।इसके बाद परिजन दोनों को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने गौरव को मृत घोषित कर दिया। जबकि सौरव की हालत गंभीर देखते हुए उसे पटना रेफर कर दिया गया।

जिला परिषद के डाक बंगला में सीडीपीओ कार्यालय में लगी आग , मची अफरा तफरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के डाक-बंगला चौंक अवस्थित जिला परिषद के डाक-बंगला भवन के सीडीपीओ कार्यालय परिसर में आग लग गई। आग कैसे लगी यह पता नहीं चल पाया। आपकों बता दें कि मशरक के डाक-बंगला चौंक पर जिला परिषद का अतिथि गृह बना हुआ है जिसे लोग डाक-बंगला बोलते हैं उसी भवन के कमरें में कल्याण विभाग के तहत सीडीपीओ कार्यालय भी चलता है। रविवार होने की वजह से कार्यालय परिसर में ताला लगा हुआ था। डाक-बंगला परिसर के आगे बने दुकानदारो ने धुआ निकलता देखा तो शोर मचाया। जब अंदर जाकर देखा गया तो पता चला कि कमरें में भीषण आग लगी हुई है। फायर ब्रिगेड टीम और कार्यालय कर्मी को सूचना दी गई मौके पर पहुंची दो फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग से दो कमरे में रखा कागजात और सामान जलकर राख हो गया। वहीं रविवार के दिन ही सीडीपीओ कार्यालय के कमरें में आग लगना जांच का मामला है।

12 वी बिहार सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में सारण सहित चार टीम पहुंची

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ पहला सेमीफाइनल सीवान बेगुसराय जबकि दूसरा सारण और पटना के बीच होगा।

शहीद कैप्टन आशुतोष स्मृति 12 वी बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन संघर्षपूर्ण मुकाबले के साथ लीग मैच समाप्त हुआ । बिहार हैंडबॉल संघ के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा से मिली जानकारी के अनुसार सारण जिला हैंडबॉल सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया सांध्यकालीन सत्र में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सीवान ने गया से , बेगुसराय ने एस ओ एस से पटना ने नवादा से जबकि सारण ने शेखपुरा से मैच जीत सेमीफाइनल में प्रवेश किया । चारों टीम ने प्रतियोगिता में अपना पदक सुनिश्चित कर लिया है ।रविवार के सुबह पहले सेमीफाइनल में सीवान का मुकाबला बेगुसराय से जबकि सारण का मुकाबला पटना की टीम से होगा। बिहार हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में मधेपुरा जिला हैंडबॉल संघ द्वारा तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन कामेश्वर मध्य विद्यालय वार्ड नंबर 15 घैलाढ, मधेपुरा के खेल मैदान में किया जा रहा है । जिसका उद्घाटन शुक्रवार को अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। रोमांचक मैच नेशनल रेफरी चंदन कुमार के साथ रेफरी बबलू कुमार , संजीव कुमार , आलोक कुमार अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य सफलतापूर्वक करा रहे है।प्रतियोगिता का संचालन मधेपुरा जिला हैंडबॉल सचिव दीपक कुमार ने किया ।

दूसरे दिन संपन्न हुए लीग मैच में मधेपुरा ने लखीसराय को 9 - 2 से, सीवान ने वैशाली को 12 - 5 से , सारण ने जहानाबाद को 14 - 01 एवं एस ओ एस को 13 - 7 से , औरंगाबाद ने नालंदा को 10 - 6 से , बेगुसराय ने शेखपुरा को 5 - 4 से , एस ओ एस ने पूर्णिया को 10 - 4 से , शेखपुरा ने औरंगाबाद को 3 - 1 से , पटना ने

पंचायती में बुलानें के दौरान मारपीट, पुलिस ने दो को लिया हिरासत में

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के एकावना गांव में चाकू बाजी की घटना में मामले का समाधान कराने को लेकर पंचायती में आने का निमंत्रण देने को लेकर मारपीट हो गई। मौके पर थाना पुलिस और इमरजेंसी 112 की टीम ने पहुंच जांच-पड़ताल शुरू की और दो को हिरासत में ले लिया। आपकों बता दें कि बीते शनिवार की शाम आपसी विवाद में चाकू बाजी में दो युवक घायल हो गया जिसे इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। वहीं मामले में थाना पुलिस को आवेदन दिया गया था उसी मामले में रविवार को प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने समाधान करने की बात बताई जिसमें पंचायत में आने को लेकर निमंत्रण दिया जा रहा था कि फिर से मारपीट हो गई।

भारत सरकार के पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉङ्क शकील अहमद ने आज जयनगर के विशाल होटल में प्रेस को किया संबोधित

प्रखण्ज्ञसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

भारत सरकार के पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉङ्क शकील अहमद ने आज मधुबनी जिला के जयनगर के विशाल होटल में प्रेस को किया संबोधित इस मौके पर जिला परिषद सदस्य सीनयर नेता दीपक कुमार सिंह, रामईकबाल पासवान, अनुरंजन सिंह, सुरेन्द्र महतो, नित्यानंद झा, गुड्डु साह, मोङ्क चांद, अवधेश सिंह, विश्वभर पुर्वे घनुष लाल महतो, सुजीत यादव, अजय झा, रवींद्र पोद्दार, राजकुमार यादव, गब्बर सिंह, पंकज झा, जगदम्बा देवी, कामरेड राणा प्रताप सिंह, सरवन साह, अन्य महागठबंन के नेता बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

बाइक दुर्घटना में घायल अरना के पूर्व पैक्स अध्यक्ष की मौत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के कर्ण कुदरिया गांव में बाइक दुर्घटना में घायल अरना के पूर्व पैक्स अध्यक्ष की इलाज के दौरान पटना आईजीएमस में मौत हो गई। शव रविवार की शाम 4 बजें के लगभग मशरक अरना पूरब टोला गांव लाया गया जहां परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अरना पैक्स के पूर्व अध्यक्ष व अरना पूरब टोला गांव निवासी बृजकिशोर प्रसाद हैं। परिजनों ने बताया कि डुमरसन बाजार से बाइक पर सवार होकर कर्ण कुदरिया गांव होते हुए गांव जा रहें थे कि बाइक दुर्घटना में घायल हो गए। घायल हालत में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में भर्ती कराया गया जहां से पटना रेफर कर दिया गया जहां उनको आईजीएमस में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। उनकी मौत पर प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू, प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह, अरना मुखिया अनिल ठाकुर, शिक्षक नेता संतोष सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता मुन्ना साह, मुन्ना सिंह समेत अन्य ने शोक व्यक्त किया।

एआई इंजीनियर अतुल सुभाष को न्याय दिलाने को लेकर पूसा बाजार बंद, आरोपियों पर सख्त कार्यवाई की मांग.

बेगूसराय संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

एआई इंजीनियर अतुल सुभाष को न्याय दिलाने की मांग को लेकर रविवार को पूसा बाजार बंद रहा। इससे बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। इस दौरान पूसा बाजार के व्यापारी और स्थानीय लोग एक जुट होकर अतुल के समर्थन में आवाज बुलंद करते नजर आए। इससे पहले शनिवार की शाम आम लोगों की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर बाजार बंद रखा जाएगा। जिसके बाद रविवार को पूसा बाजार के अधिकतर दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। केवल दवा और आवश्यक सेवाओं की कुछ दुकानें खुली रहीं। इस कदम से स्थानीय व्यापारिक गतिविधियां ठप पड़ गईं और आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। महेश्वर हजारी ने अतुल के परिजनों से की मुलाकात :बता दें कि शनिवार देर शाम राज्य के सूचना और जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी ने अतुल के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री और एडवोकेट जनरल से चर्चा कर इस मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। रविवार को मोरवा विधायक रणविजय साहू ने भी पूसा बाजार पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

सीएम योगी बोले: नेताओं से ज्यादा डॉक्टरों पर भरोसा

एसजीपीजीआई में कहा: एआई से इलाज होगा, तीन गुना स्पीड बढ़ाएं डॉक्टर

लखनऊ। सीएम योगी लखनऊ में एसजीपीजीआई के 41वें स्थापना दिवस में शामिल हुए। दार्शनिक की कहानी सुनाई। कहा- जीत की तैयारी इतनी शालीनता के साथ करो कि आपकी सफलता शोर मचा दे। यूपी में लोगों को नेताओं से ज्यादा डॉक्टरों पर भरोसा है। इसलिए, अंगदान के लिए लोगों को जागरूक करें। अगर कोई नेता यह बात बताएगा तो ज्यादातर मरीजों के परिवार को भरोसा नहीं होगा। मुझे लगता है कि अगर ऐसा प्रयास होगा तो पूरे प्रदेश में धूम मच जाएगी। पेशेंट आपकी जय-जयकार करेगा। डॉक्टरों के बारे में पेशेंट के मन में जो श्रद्धा सम्मान का भाव है वह सरकार से ज्यादा है। उन्होंने कहा- अगर पेशेंट किसी दुर्घटना का शिकार हो गया है, उसका ब्रेन डेड हो चुका है। फिर भी उसके अंग काम आ सकते हैं। डॉक्टर उसके परिजनों को दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए तैयार करें। 2047 में देश अपनी आजादी का 100वां वर्ष पूरा करेगा। हमें भारत को कुशल देश की नजर से देखना होगा।

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में योगी के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहे। योगी ने कहा- अस्पतालों में किसी को सर्जरी के लिए लंबी डेट न दी जाए। एसजीपीजीआई देश का पहला चिकित्सा संस्थान है, जिसे 500 करोड़ रुपए मिले हैं। अभी तक रोबोटिक का उपयोग होता था। लेकिन अब हेल्थ को एआई टेक्नोलॉजी से जोड़ा जाएगा। जब कोरोना वायरस यूपी में आया तब प्रदेश में सर्वे कराया गया। 36 जिले ऐसे थे जहां आईसीयू का एक भी बेड नहीं था। तब एसजीपीजीआई के निदेशक ने सुझाव दिया कि हम लोग डेली आईसीयू प्रारंभ कर सकते हैं।

फिर एसजीपीजीआई ने पूरी शालीनता के साथ प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू प्रारंभ किया। 75 के 75 जनपदों में हजारों लोगों की जान को बचाने में मदद मिली। योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश जैसे देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में स्वास्थ्य का मानक क्या होना चाहिए। मेडिकल एजुकेशन का स्टैंडर्ड क्या होना चाहिए। यह न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि उत्तर भारत में अब एसजीपीजीआई बिना किसी शोरगुल के यह करता है। हर मरीज चाहता है कि उसे अच्छी सुविधा मिले। मैं चाहूंगा कि अभी डॉक्टरों की जो स्पीड है, उसे तीन गुना बढ़ाएं। आपको जो संसाधन चाहिए सरकार उपलब्ध कराएगी। इसके लिए आपको स्वयं समय देना होगा। मुझे लगता है अगर आप एक दिन में 10 मरीज देखते हैं। अगर यह स्पीड तीन गुना कर दें तो डिफरेंट कैटेगरी के 25-30 मरीज मिलेंगे। उनका रहन-सहन, उनके खान-पान, उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का एक्सपीरियंस समझने के बाद आप बता सकते हैं कि इसका कैसे इलाज करना है। मुझे लगता है अगर आप स्पीड बढ़ा लेंगे तो आपके पास अनुभव का बहुत बड़ा खजाना होगा। इससे हम यहां भर्ती होने वाले पेशेंट की संख्या बढ़ा सकते हैं। एसजीपीजीआई में एक साल में सवा लाख पेशेंट्स आते हैं। हम इसको 1 साल में 5 लाख कर सकते हैं। यहां पर भर्ती होने वाले 48 हजार पेशेंट हैं। इसे बढ़ाकर डेढ़ लाख तक पहुंचा सकते हैं। किडनी ट्रांसप्लांट 150 तक हो रही है। हम इसे 500 तक पहुंचा सकते हैं। तब एक भी वेटिंग ट्रांसप्लांट नहीं रहेंगे। अगले 9 साल बाद मेडिकल फील्ड में बहुत बड़ा बदलाव होने वाला है। उत्तर प्रदेश में 1947 से लेकर 2017 तक यानी की 70 साल में 12 और 1 साल में 18 मेडिकल कॉलेज खोले गए। यह सरकार के काम की स्पीड है। इसी स्पीड के लिए हमें अपने आप को तैयार करना है। उत्तर प्रदेश में हम लोग 65 जिले में मेडिकल कॉलेज, डायलिसिस की सुविधा, ब्लड बैंक सेपरेटर यूनिट स्थापित कर चुके हैं। रविवार के दिन स्वास्थ्य विभाग के सभी चिकित्सक हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाते हैं।

केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के बारे में बताते हैं। वहां पर कोई भी पेशेंट पहुंचकर इलाज करा सकता है। फाउंडेशन डे के ऑरेशन के लिए विशाखापट्टनम की गीतम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की वाइस चांसलर प्रो. डॉ. गीतांजलि बैटमैन बाने शामिल हुईं। स्थापना दिवस पर 19 फैकल्टी मेंबर्स और 24 स्टूडेंट्स को बेस्ट रिसर्च और परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया गया।

बुद्ध इंटर कालेज में सेवा - संकल्प के साथ हुआ स्काउट गाइड शिविर समापन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज में चल रहे त्रिदिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन शनिवार को हुआ। जिसमें गाइडों को समाज व राष्ट्र भक्ति की शपथ दिलाई गई।

मुख्य अतिथि नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि स्काउट गाइड शिविर में सीखे गुर जीवन में आने वाली चुनौतियों से निबटने में काम आते हैं। प्रशिक्षित छात्र छत्राएँ विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय अध्यक्षता व स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशिक्षण का लाभ बच्चों के सामाजिक जीवन में

मिलता है। कहा कि शिविर में सीखे गए अनुभवों को अपने जीवन में उतारना ही प्रशिक्षण की वास्तविक सार्थकता है। माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह आदि ने भी संबोधित किया। स्काउट मास्टर विजय मणिद्र तिवारी ने स्कार्फ लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। आभार शंम्भू राव व संचालन मोहम्मद इजहारुल खान ने किया। इसके पूर्व टेंट का निरीक्षण किया गया। निवेदिता श्रीवास्तव, एलपी सिंह, राहुल गोंड़, ऋषि यादव, रीति प्रभा, मीरा यादव ने प्रशिक्षण दिया। इस दौरान लक्ष्मी नरायण त्रिपाठी, प्रेम कुमार मिश्र, शंम्भू राव, अशोक उपाध्याय, अशोक चौरसिया, शंम्भू शरण श्रीवास्तव, प्रधान लिपिक नगेन्द्र पाण्डेय सहित शिक्षक व बच्चे मौजूद रहे।

झांसी में 12वीं की छात्रा को लात-घूसे मारे

झांसी। में दो युवकों ने 12वीं कक्षा की छात्रा पर लात, घूसे और थप्पड़ों की बारिश कर दी। वे उसके गेट को तोड़ रहे थे। रोकने पर दोनों ने छात्र को बेरहमी से पीटा। मोहल्ले के लोग छात्रा को बचाते रहे, लेकिन दोनों दबंग युवक बार-बार पकड़कर उसे पीट रहे थे। जब मोहल्ले के लोग छात्रा को बचाकर अपने घर में ले जाते हैं तो आरोपी दरवाजा तोड़कर उसके घर के अंदर दाखिल हो गए और तोड़फोड़ की। पूरी घटना सीपरी बाजार के प्रेमगंज की है। इसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। जो 13 दिसंबर का है। जिसमें युवक कह रहा है कि मार डालेंगे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है प्रेमगंज निवासी चंचल रायकवार पुत्री कालीचरण 12वीं कक्षा में पढ़ती है। उसके भाई सोनू रायकवार ने बताया कि शुक्रवार को मां मुन्नी देवी और मैं काम पर गए थे। घर पर छोटी बहन चंचल रायकवार अकेली थी। तभी मोहल्ले का आकाश रायकवार नशे में आया और घर का दरवाजा तोड़ने लगा। तब छोटी बहन ने मना किया तो उसने मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसका दोस्त संजय साहू भी आ गया। दोनों ने मिलकर बहन को लात, घूसे और थप्पड़ मारे। मोहल्ले के लोगों ने किसी तरह बहन को बचाया और अपने घर में ले गए। तब आरोपियों ने दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुसकर तोड़फोड़ की। इसके बाद वे जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

शम्भू बरनवाल के हाथों स्वेटर पा खिल उठे बच्चे

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के ग्राम सभा जौरा मनराखन के-मोहरे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शंभू बरनवाल ने अपने गांव के संविलियन विद्यालय जौरा गोविंद टोला के सभी 104 बच्चों को अपने खर्चे से स्वेटर का वितरण किया। स्वेटर पाते बच्चों के चेहरे खिल उठे।

इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि शंभू बरनवाल ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं इनका सर्वांगीण विकास करना अध्यापकों के साथ हम सबकीऊ है। जहां यह विद्यालय स्थापित है उसके आस पास गरीब परिवारों की संख्या अधिक है। यहां के अध्यापकों ने काफी मेहनत कर-के इन बच्चों को विद्यालय में नामांकन के साथ उनको अच्छी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

इस अवसर पर गांव के त्रिलोकी बरनवाल, राधेश्याम जायसवाल, प्रमोद गौड़, उमेश राव, सोनू प्रसाद के साथ प्रधानाध्यापक श्याम नाथ गौड़, सहायक अध्यापक रमेश गुप्ता, शिक्षा मित्र किरण देवी सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जेलर को सरिया मारकर हाथ तोड़ा

झांसी में हिस्ट्रीशीटर की बदली थी जेल, बेटों ने लाठी-डंडे से किया हमला

झांसी। में शनिवार दोपहर जिला जेल के जेलर पर बदमाशों ने हमला कर दिया। ऑटो से रेलवे स्टेशन जा रहे सिपाही और जेलर को 4 बदमाशों ने रोका। फिर लाठी-डंडे और सरिया से उन पर हमला कर दिया। घटना में जेलर कस्तूरी लाल गुप्ता के हाथ-पैर में गंभीर चोट आई है। हाथ की हड्डी टूट गई है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस जांच में पता चला है कि हमला कुख्यात हिस्ट्रीशीटर कमलेश यादव के बेटों ने बदमाशों के साथ मिलकर किया है। करीब 25 दिन पहले कमलेश यादव को झांसी जेल से हमीरपुर जेल शिफ्ट कर दिया गया था। इससे आरोपी नाराज थे। पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं। कस्तूरी लाल गुप्ता झांसी जिला जेल में पिछले दो साल से जेलर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी हैदराबाद में 16 से 20 दिसंबर तक ट्रेनिंग है। इसलिए वह शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे ऑटो में सवार होकर स्टेशन जा रहे थे। उनके साथ एक

सिपाही भी था। जब ऑटो DRM ऑफिस के पास पहुंची तभी कार सवार 4 बदमाशों ने उसे रोक दिया । उन्होंने कार आगे लगाकर ऑटो रुकवा लिया। इसके बाद बदमाशों ने जेलर को ऑटो से बाहर खींच लिया और लाठी-डंडे और सरिया से पीटने लगे। बचाने आए सिपाही को भी जमकर मारा। जेलर को अधमरा कर आरोपी कार से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बदमाश पिस्टल भी लिए थे। जेलर के हाथ में 3 फ्रैक्चर जेलर पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इधर, जेलर के साथ गए सिपाही ने जेल के अधिकारियों को फोन किया तो वे भी मौके पर आ गए। आनन-फानन में घायल जेलर को जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां एक्स-रे जांच हुई। इसमें पता चला कि उनके हाथ में तीन जगह फ्रैक्चर हैं। सूचना पर एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह भी पुलिस फोर्स के साथ जिला अस्पताल पहुंच गए। जेलर से पूछताछ करने पर पता चला कि हमला हिस्ट्रीशीटर कमलेश यादव के बेटों ने किया है। पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुट गई हैं। जिस हिस्ट्रीशीटर कमलेश यादव के बेटों पर हमला का आरोप है, वो प्रेमनगर थाना क्षेत्र के पुलिया नंबर 9 का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, उस पर हत्या, लूट और डकैती समेत अन्य धाराओं में 38 केस दर्ज हैं। वह काफी समय से झांसी की जिला जेल में बंद था। करीब 25 दिन पहले उसकी जेल बदल दी गई। यहां से उसे हमीरपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया। इसी बात से आरोपी जेलर कस्तूरी लाल गुप्ता से रंजिश रखे हुए थे। एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कार सवार बदमाशों ने ऑटो को घेरकर लाठी-डंडों से जेलर पर हमला किया है। इससे उनके हाथ में फ्रैक्चर आ गया। उनका इलाज चल रहा है। शिकायत लेकर केस दर्ज किया जा रहा है। जांच में पता चला कि हिस्ट्रीशीटर कमलेश यादव झांसी जेल से शिफ्ट होकर हमीरपुर चला गया था। इसी रंजिश में उसके बेटों ने योजना बनाकर हमला किया है। जल्द ही हमलावरों की पहचान कर उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस टीमें जांच में जुटी हैं।

गन्ना किसानो के लिए वरदान साबित होगी प्याज की खेती

संवाददाता

कुशीनगर। वसंत कालीन गन्ने के साथ प्याज की सहफसली खेती करके किसान एक एकड़ गन्ने में 135 से 140 दिनो में 75 से 85 कुन्तल व्याज की उपज प्राप्त कर सकते है। उत्तर प्रदेश गन्ना विसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराईच गोरखपुर के कृषि वैज्ञानिक ओम प्रकाश गुप्ता ने प्याज की गन्ने के साथ खेती को किसानों के लिए बरदान बताया। गन्ने मे प्याज बोने से गन्ने का औसत उपज बढ़ जाता है। साथ ही साथ गन्ने में लगने वाले सबसे हानिकारक किट 'अंकुर बेधक ' पिहीका का नियंत्रण होता है लगभग 1.5 लाख का प्याज होगा किसान की आय बढ़ेगी। कृषि वैज्ञानिक ओम प्रकाश गुप्ता ने किसानो को दी ओम प्रकाश गुप्ता ने कृषक अध्ययन यात्रा कार्यक्रम मे प्याज अनुसंधान संस्थान राजगुरुनगर पूना महाराष्ट्र तथा राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान संस्थान नाशिक - महाराष्ट्र जाकर वैज्ञानिकों से प्याज की वैज्ञानिक खेती में प्रशिक्षण लिया है, शोध प्रक्षेत्र देखा किसानों के साथ प्याज की प्रमुख प्रजातियां - पूसा रेड , एग्रीफाउण्ड लाईट रेड एन - 53 , अर्का प्रगति। गन्ने की प्रमुख प्रजातियां - को.0118, को. लख.14201, को. से.11453, को. शा. 18331, को. से.8452,

सेवरही शोध संस्थान पर उपलब्ध है प्याज रोपाई करने के लिए गन्ने की पंक्ति से पंक्ति की दूरी 120 सेमी रखे तथा गन्ने की दो लाईन के बिच प्याज की 3 से 4 पंक्ति रोपाई करें प्याज की लाईन से लाईल की दूरी 15 सेमी तका पौध से पौध की दूरी 10 सेमी रखे , रोपाई करके सिचाई करें। बीज की मात्रा एक एकड गन्ने में प्याज बोने के लिए 4 से 4.5 किग्रा बीज की आवश्कता होती है। ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि इस समय किसान प्याज की नर्सरी गिरा रहे है जनवरी से गन्ना प्याज की नर्सरी 45 से 50 दिनो मे रोपाई के लिए तैयार होती है, पूर्वायल में प्याज लगभग सभी परिवार में प्रयोग किया जाता है, प्याज में औषधीय गुण है। प्याज में एलील डाइसल्फाईड नामक वाष्यशील तेल पाया जाता है जिसके कारण प्याज छिलते समय आंख में तीखा लगता है जो गन्ने मे कीट नियंत्रण का कार्य करता है, एक एकड गन्ने में लगभग 1.5 लाख का प्याज होगा तथा 400 कुन्तल एकड़ गन्ना होगा। जिससे किसान की आय बढ़ेगी, गन्ना किसान संस्थान द्वारा कृषि विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय किसान मेला - गोष्णी तमकोहीराज में गन्ने के साथ प्याज लहसुन , आलू, गोभी, टमाटर, भिण्डी, आदि की सहफसली खेती का फोटो ग्राफ दिखाकर कृषको को ओम प्रकाश गुप्ता द्वारा जानकारी दिया जा रहा है गन्ना प्रदर्शनी में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही तथा सेवरही के विद्यायक, भाजपा के जिलाध्यक्ष ने फोटोग्राफ देखा तथा कृषको के लिए लाभकारी बताया तथा गन्ना संस्थान के इस प्रयास की सरहना की ।

विशेष जानकारी के लिए मो. 9451957294 बात कर सकते है।

संक्षिप्त डायरी

चुनाव अधिकारी ने लिया मण्डल चुनाव प्रक्रिया का जायजा

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व 2024 के तहत प्रदेश में हो रहे पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के अंतर्गत कुशीनगर जिला चुनाव अधिकारी डॉ रंजन शर्मा शनिवार को रविन्द्र नगर स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे और मण्डल चुनाव प्रक्रिया का जायजा लिया। जिला चुनाव अधिकारी डॉ रंजन शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपने संगठन का निर्माण कराती है। पार्टी का इस समय देशव्यापी संगठन महापर्व चल

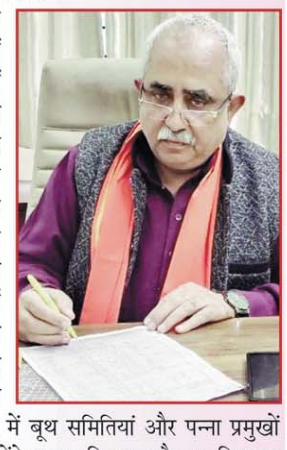

रहा है। संगठन पर्व के प्रथम चरण में बूथ समितियां और पन्ना प्रमुखों का गठन तेजी से किया गया है। उन्होंने बताया कि 15 और 16 दिसम्बर को कुशीनगर जनपद के सभी 34 मण्डलों में मण्डल चुनाव सम्पन्न कराए जाएंगे। सभी मण्डल चुनाव अधिकारी अपने अपने मण्डल में जाकर पार्टी के दिशा-निर्देश के अनुसार मण्डल में चुनाव सम्पन्न कराएंगे। मण्डल अध्यक्षों के निर्वाचन हेतु विचार करने की भी प्रक्रिया आरंभ हो गई है। निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल लोगों को यह सुनिश्चित करना है कि 50 सक्रिय सदस्य बने मंडलों को चुनाव में शामिल करना है । 45 वर्ष तक की आयु तक के कार्यकर्ता को ही मण्डल अध्यक्ष के लिए चुनना है।

गैंगस्टर के गुनाहगार को दो साल छै माह की सख्त सजा के साथ ही हुआ पांच हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के ललपुरा में अभियुक्तों ने संगठित गिरोह बनाकर अपने साथियों के लिए भौतिक व आर्थिक फायदा पहुंचाने के लिये लोगों में डर और आतंक फैलाने का काम किया। ललपुरा पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ मुअ०सं० 39/2022 धाराझ 2/3 गैंगस्टर के तहत अभियुक्त जियालाल उर्फ श्रवण कुमार पुत्र कारेलाल निवासी ग्राम पतारा थाना कुरारा, पप्पू उर्फ शिवकुमार पुत्र शिवसहाय निवासी

एडीजीसी-- सुशील कुमार त्रिपाठी

सहूरापुर थाना ललपुरा, भूपेन्द्र राजपूत पुत्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम मवइया थाना हरपालपुर छतरपुर मध्य प्रदेश के खिलाफ 24 अक्टूबर 2022 को दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 13 दिसम्बर 2024 को हमीरपुर एफटीसी फर्स्ट, गैंगस्टर हमीरपुर अदालत के स्कालर जज ने अभियुक्त जियालाल उर्फ श्रवण कुमार को गुनाहगार मानते हुये दो साल छै महीने की सख्त सजा के साथ ही पांच हजार रुपये का किया जुमार्ना। जबकि अभियुक्त पप्पू उर्फ शिवकुमार ,भूपेन्द्र राजपूत की फाईल अलग की गई साथ ही अदालत में विचाराधीन है। जबकि मामले की जांच इंस्पैक्टर रामआसरे सरोज ने पूरी कर अदालत में चार्जशीट पेश की, वही अभियोजन की तरफ से इस मामले की एडीजीसी सुशील कुमार त्रिपाठी ने दमदार पैरवी की।

पॉक्सो के गुनाहगार को 20 साल की सख्त सजा के साथ ही सोलाह हजार रुपये का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मौदहा में जनपद जालौन के थाना माधोगढ़ निवासी अभियुक्त वीरु पुत्र शेर बाबू ने पीड़ित की 15 साल की नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा लेजाकर बलात्कार किया। जबकि 24 दिसम्बर 2020 में दर्ज हुये अ०सं०- 470/2020 धाराझ 363,366,376 आईपीसी सहित 4 पॉक्सो एक्ट में अभियुक्त वीरू पुत्र शेरे बाबू निवासी हरौली थाना माधौगढ़ जनपद जालौन के खिलाफ इस संगीन मामले में 13 दिसम्बर 2024 को पाक्सो अदालत हमीरपुर के स्पेशल स्कालर जज कीर्ति माला

एडीजीसी- रुद्र प्रताप सिंह

सिंह ने अभियुक्त वीरू को गुनाहगार मानते हुये बीस साल की सख्त सजा के साथ ही सोलाह हजार रुपये का किया जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई प्रहलाद सिंह ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट पेश की थी,वहीं अभियोजक की तरफ से मामले की पैरवी एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने की।

गोरखपुर में खादी की हुई जमकर खरीदारी:15 दिनों की प्रदर्शनी हुई खत्म

गोरखपुर । चंपा देवी पार्क में बीते पंद्रह दिनों से चल रही खादी ग्रामोद्योग विभाग की प्रदर्शनी का आज समापन हुआ। इस प्रदर्शनी का समापन महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने किया। प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न राज्यों और जिलों से व्यापारियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए थे, जो गोरखपुरवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने। प्रदर्शनी में गीता प्रेस, खादी ग्रामोद्योग, और कॉपोरेट उत्पादों के साथ-साथ ठंड से बचाव के लिए ऊनी जैकेट, स्वेटर, महिलाओं के सूट, बच्चों के कपड़े, और अन्य घरेलू सामान के स्टॉल सजे थे। गोरखपुर के लोगों ने इन उत्पादों की खरीदारी में खूब दिलचस्पी दिखाई, और प्रदर्शनी के दौरान दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिली।

स्थानीय महिला खरीदारों में से एक ने कहा, इस तरह की प्रदर्शनी हर महीने लगनी चाहिए। ठंड के मौसम में हमें इन उत्पादों की बहुत जरूरत होती है, और इस प्रदर्शनी के जरिए हम आसानी से अच्छे उत्पाद खरीद सकते हैं। इस बार भी हमने खूब खरीदारी की और इस बार भीड़ और उत्साह बहुत ज्यादा था।ह्व महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने कहा, ह्वकेंद्र और प्रदेश सरकार स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है। जब से सरकार ने इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं, लोगों का रुझान स्थानीय सामानों की खरीदारी की ओर बढ़ा है। ऐसे आयोजनों से न केवल व्यापार को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय संस्कृति और रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। इस प्रदर्शनी ने न केवल व्यापारियों को अपनी उपस्थिति दर्ज करने का अवसर दिया, बल्कि गोरखपुरवासियों को एक मंच पर विभिन्न राज्यों के पारंपरिक और आधुनिक उत्पादों को जानने और खरीदने का बेहतरीन मौका भी प्रदान किया।

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हृद्धद्धहृद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है ।

5 शेयर करेंगे मालामाल ! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिगर एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल। स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया हैए जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग

आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि.ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई: 543929, एनएसई: एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49न्न की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

कनाडा में आंतरिक सुधार जरूरी

भारत डोगरा

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीषर्क है- 'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द र्वल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

ते ईस जून, 1985 को कनिष्क एअर इंडिया 182 विमान में उड़ते समय भयंकर विस्फोट हुआ जिससे हवाई जहाज अटलांटिक सागर में आयरलैंड के तटीय क्षेत्र के पास गिरा और उसमें सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

जिन परिवारों के सदस्य मारे गए आज भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, यह भी समय-समय पर प्राप्त होने वाले तथ्यों से स्पष्ट होता रहा है कि यदि कनाडा की गुप्तचर और पुलिस एजेंसियों ने समुचित कार्रवाई की होती तो बड़ी संभावना यह होती कि इस हादसे को रोका जा सकता था। कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्रालय ने ओंटारियो के पूर्व मंत्री बाब रे को इस त्रासदी की जांच का काम सौंपा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कनाडा गुप्तचर संस्थान (सीएसआईएस-कनाडियन सेक्युरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) के अधिकारियों ने ऐसे दो खालिस्तानियों का पीछा किया जो उनके संदेह के दायरे में थे। दोनों एक टापूनुमा वीरान जंगली क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक गुप्तचरों ने उनका पीछा किया। फिर जहां ये खालिस्तानी गए थे वहां से बड़े धमाके की आवाज आई। कोई बच्चा भी कहेगा कि इस धमाके की आवाज आने से पूछताछ की जरूरत और बढ़ गई थी पर इन गुप्तचरों ने ऐसा कुछ नहीं किया और आगे कोई कार्रवाई ही नहीं की। अब जब अन्य तथ्य सामने आ चुके हैं तो स्पष्ट है, जैसा कि जांच रिपोर्ट में भी कहा गया है, कि यह सुनसान इलाके में बम टेस्ट करने का प्रयास था क्योंकि दो वायुयानों में बम रखने की तैयारियां उस समय पूरे जोरों पर थीं। यदि समय पर इन खालिस्तानियों से भली-भांति पूछताछ कर ली जाती तो षड़यंत्र को उसी समय रोक पाने की संभावना थी।

एक अन्य बड़ा मुद्दा है कि गुप्तचर एजेंसी सीएसआईएस ने पहले टेपों पर खालिस्तानी षड़यंत्रकारियों की बहुत सी बातचीत रिकार्ड भी की थी और फिर इससे पहले कि इस रिकार्डिंग का समुचित विश्लेषण हो पाता, इनको नष्ट कर दिया गया। जांच रिपोर्ट ने इस बारे में इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस जैसिफसन की टिप्पणी की ओर ध्यान दिलाया है, जिन्होंने इसे ऐसी लापरवाही बताया था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आखिर, इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई, इस पर चर्चा हुई तो सीएसआईएस का यह पक्ष सामने आया कि उसके एक एजेंट ने खालिस्तानी षड़यंत्रकारियों में घुसपैठ कर ली थी, हालांकि कनिष्क हादसे से तीन दिन पहले उसे अलग कर लिया

गया। सीएसआईएस का पक्ष, जो प्रकाशित रिपोटरे में बताया गया है (जैसा बीबीसी की एक रिपोर्ट में भी छपा) कि उसने अपने इस एजेंट के बचाव के लिए टेप नष्ट किए।

पर ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एजेंट के पास जो जानकारी थी, उसका भरपूर उपयोग किया जाता तो इतना समय जरूर मिलता कि षड़यंत्र का पता लगा कर उसे नाकाम कर दिया जाता। पर ऐसा नहीं हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जो जानकारी सीएसआईएस के पास होती थी वह कनाडियन पुलिस (आरसीएमपी) के साथ ठीक से शेयर नहीं की जाती थी। कनाडा के उच्च स्तर के कुछ सुरक्षा अधिकारियों ने इस बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करनी आरंभ की कि कनाडा में बहुत से आतंकी संगठनों ने डेरा जमा लिया है।

सीएसआईएस के पूर्व अध्यक्ष वार्ड एलकाक ने अपनी उच्चस्तरीय जानकारी के आधार पर सीनेट की एक विशेष समिति को बताया कि अमेरिका को छोड़ दें तो किसी भी अन्य देश की अपेक्षा कनाडा में अधिक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान सीएसआईएस की आतंक-विरोधी शाखा ऐसे 50 आतंकवादी संगठनों और इनसे जुड़े 350 व्यक्तियों की जांच कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ये विभिन्न आतंकवादी संगठन आतंकवादी कार्रवाइयों में सहायता देते हैं, आतंकवाद के लिए धन एकत्र करते हैं, प्रोपेगंडा और असत्य (डिसइंफाम्रेशन) फैलाने के लिए विभिन्न समुदायों का दोहन-शोषण करते हैं, अप्रवासियों को डराते-धमकाते हैं, आतंकियों के लिए कनाडा में सुरक्षित शरण स्थलों की व्यवस्था करते हैं, आतंकियों की अमेरिका तक आने-जाने की व्यवस्था करते हैं, और अप्रवासियों की तस्करी करते हैं।

यह बयान कनाडा के फ्रेसर इंस्टीट?ूट की अध्ययन रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसका शीषर्क है 'कनाडा' ज इनएडिक्वेट रिस्पॉन्स टू टेररिज्म'। रिपोर्ट के लेखक हैं मार्टिन कोलाकोट। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों के अतिरिक्त अनेक अन्य तरह के आतंकवादी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं, और इनका संबंध अनेक अन्य चर्चित आतंकवादी हमलों से भी जुड़ा रहा है। रिपोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कई महत्त्वपूर्ण संदभरे में कनाडा की सरकार आतंकवाद के नियंत्रण के लिए असरदार कदम उठाने में असमर्थ रही है। रिपोर्ट ने बताया है कि खतरनाक आतंकी संगठनों पर सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकी और यहां तक कि ऐसे कुछ संगठन परोपकारी कार्य का आवरण लगा कर अपना प्रसार करते हैं, उस पर भी काफी समय तक रोक नहीं लग सकी। उनके विरुद्ध असरदार कार्रवाई करने के बहुत कम उदाहरण कनाडा में देखे गए हैं।

इतना ही नहीं, कुछ राजनीतिक दल और नेता भी अपने संकीर्ण स्वार्थी हितों के लिए ऐसी ढील देने की नीति अपनाते हैं। सीएसआईएस की रणनीतिक योजना के पूर्व मुख्य अधिकारी डेविड हैरिस से जब पूछा गया कि क्या कनाडा आतंकवादियों की सुरक्षित शरण स्थली बन रहा है, तो उन्होंने उत्तर दिया कि ऐसी आशंका का बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 50 आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति है, जिनमें से अनेक प्रमुख आतंकवादी संगठन हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीषर्क है-'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द र्वल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

मेजर ग्रेग ले ने कनाडियन फोर्सेज कॉलेज के लिए एक अनुसंधान पत्र लिखा है, जिसका शीषर्क है, 'द इवॉल्यूशन ऑफ टैररिज्म इन कनाडा-इन्क्रीज्ड थ्रेट इन अ कल्चर ऑफ इनडिफेरेंस'। इस अध्ययन में लिखा है कि आतंकियों की हिंसक और जबरदस्ती वाली प्रवृत्तियों से कनाडा के सिख समुदाय की समस्याएं और दुख-दर्द बढ़ गए हैं। बाब रे, जो आनटेरियो के मंत्री रह चुके थे, को कनिष्क त्रासदी की जांच का कार्य सौंपा गया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त और परेशान है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि कनाडा सरकार आतंकवाद पर नियंत्रण रखने की अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी भली-भांति निभाए।

संपादकीय

भारत-रूस रिश्ते को मजबूती

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तीन दिवसीय रूस यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने की दिशा में निस्संदेह बहुत उपयोगी रही. वह वहां सैन्य और सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग के 21वें सत्र में भाग लेने गये थे. वह आइएनएस तुशिल की फ्लैग रेजिंग सेरेमनी में भी शामिल हुए, जिसे काफी पहले भारतीय नौसेना में शामिल होना था, लेकिन कोविड, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट तथा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से यह टलता रहा था. रक्षा मंत्री ने वहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर उनसे बात की.

पुतिन से उनका यह कहना मायने रखता था कि भारत और रूस के बीच मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है. उन्होंने रूसी राष्ट्रपति को यह भी बताया कि भारत पर सार्वजनिक और निजी तौर पर कई तरह के दबाव हैं, इसके बावजूद वह हमेशा अपने रूसी मित्र के साथ खड़ा रहा और भविष्य में भी खड़ा रहेगा. रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच उनके इस बयान का महत्व है. दोनों ने इस पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अत्यधिक संभावनाएं हैं और साझा प्रयासों से शानदार नतीजे हासिल किये जा सकते हैं. उनका यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच जी-20, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ रहा है.

राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री आंद्रे बेलासोव से रक्षा मुद्दों पर व्यापक बातचीत की और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली 'एस-400 ट्रंफ' की शेष दो यूनिटों की आपूर्ति जल्दी करने का दबाव भी डाला. यूक्रेन से युद्ध के चलते भारत को दी जाने वाली इन दो यूनिटों की आपूर्ति में विलंब हुआ है. रक्षा मंत्री ने विभिन्न मिलिट्री हार्डवेयर के निर्माण के क्षेत्र में भारत में असीम संभावनाओं की जानकारी दी. रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अपने एक बयान में कहा है कि रूस और भारत के बीच आपसी सम्मान पर आधारित एक मजबूत और पुरानी दोस्ती है.

इसमें यह भी कहा गया कि जुलाई में मास्को में राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की हुई बैठक और अक्तूबर में कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकातों के परिणामस्वरूप विशेष रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है, जिसमें रक्षा क्षेत्र भी शामिल है. राजनाथ सिंह की इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आपसी संबंध को और मजबूत बनाना था, जिसमें वह सफल रहे.

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मयार्दा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मयार्दा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मयार्दा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मायार्दा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मयार्दा का उल्लंघन करने वाला और मयार्दा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मयार्दा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विजय दिवस : पराक्रमी भारतीय सेना का साहस

हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत ने पाकिस्तानी सत्ता और सेना के अत्याचार से पीड़ित पूर्वी पाकिस्तान की जनता को अपना सहयोग देकर बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1971 का युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच एक सैन्य संघर्ष था जिसमें पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। इसका आरंभ पश्चिमी पाकिस्तान और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के बीच सशस्त्र संघर्ष के बीच 3 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारतीय वायुसेना के 11 स्टेशनों पर रिक्तिपूर्व हवाई हमले किए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय सेना पूर्वी पाकिस्तान में बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम में बंगाली राष्ट्रवादी गुटों के समर्थन देने के निर्णय के कारण हुआ। जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित पराजय का सामना करना पड़ा। इसमें भारतीय सेना द्वारा 93 हजार पाकिस्तानी सैनिक बंदी बना लिए गए और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान के नियंत्रण से मुक्त होकर बांग्लादेश बन गया।

ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। इसीलिए देश भर में भारत की पाकिस्तान पर जीत के उपलक्ष में 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए। युद्ध के 8 महीने बाद अगस्त 1972 में भारत और पाकिस्तान ने शिमला समझौता 1972 किया। इसके अंतर्गत बंदी बनाए गए पाकिस्तानी सैनिकों को वापस पाकिस्तान भेज दिया गया था।

भारत की पराक्रमी सेना के साहस ने पाकिस्तान की सेना के 97,368 सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया। इस गौरवशाली दिवस पर स्वयं सेवकों के बल और सामर्थ्य में वृद्धि करने हेतु संघ प्रतिवर्ष 16 दिसम्बर को प्रहार महायज्ञ का आयोजन करता है। इस दिन स्वयंसेवकों को यह स्मरण दिलाया जाता है कि महाराणा प्रताप की भुजाओं में इतना बल था कि उन्होंने तलवार के एक ही वार से बहलोल खान को जिरह-बख्तर, घोड़े सहित काट डाला। रानी दुर्गावती युद्ध के मैदान में घोड़े की लगाम मुँह में थाम कर दोनों हाथों में तलवार लेकर उतरी थीं और शत्रुओं को नाकों चने चबवा दिए। छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी तलवार के बल पर आदिलशाही और मुगलशाही से टक्कर लेते हुए हिन्दू साम्राज्य की स्थापना की थी। हम उन्हीं महान पूर्वजों के वंशज हैं। हमारी भुजाओं में वैसा ही बल चिर स्थाई रहे, हम क्षमतावान बने रहें।

एक साथ चुनाव से सशक्त बनेगा देश

सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा।

देश सचमुच बदल रहा है। न सिर्फ बदल रहा है, बल्कि शक्तिशाली हो रहा है। लोकतंत्र सशक्त हो रहा है। वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ रहा है। देश में आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता आई है। अभी जिस समय देश संविधान अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने का उत्सव मना रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ह्यएक देश, एक चुनावह्न के लिए बनाए गए दो विधेयक को मंजूरी दे दी है। संसद के शीतकालीन सत्र में इसके लिए सरकार दो विधेयक पेश करेगी। इनके जरिए संविधान के अनुच्छेद 82ए, 83, 172 और 327 में संशोधन का प्रस्ताव रखा जाएगा। इससे लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने और लोकसभा व सभी विधानसभाओं के कार्यकाल से जुड़े जरूरी बदलाव किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इससे पहले सितंबर में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट मंजूर कर ली थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर ये विधेयक तैयार किए गए हैं।

श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार विमर्श किया था। उनकी समिति के सामने अनेक विपक्षी पार्टियों ने सारे चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन ज्यादातर पार्टियां इस विचार के समर्थन में थीं। चुनाव आयोग और आम लोगों से भी समिति ने राय ली थी। इसके बावजूद सरकार अपने संपूर्ण बहुमत के दम पर एकतरफा तरीके से इन विधेयकों को नहीं पास कराने जा रही है। सरकार इस मामले में आम राय बनाने का प्रयास कर रही है। इसलिए संविधान संशोधन के विधेयक पेश करने के बाद उसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी को भेजा जा सकता है, जहां सभी पार्टियों के सांसद इस पर विचार करेंगे। यह समिति सभी संबंधित पक्षों से सलाह मशविरा करेगी और आम लोगों की राय भी लेगी। उसके बाद सहमति बना कर इसे पास कराया जाएगा। वैसे सरकार जब चाहती तब इसे पास करा सकती थी क्योंकि ये साधारण संशोधन हैं, जिनके लिए संसद में साधारण बहुमत की जरुरत है और राज्यों की विधानसभा से मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी सरकार आम सहमति का रास्ता अपनाएगी।

जिस समय श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी तभी से इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष पूछ रहा है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा? अगर 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव कराने हैं तो अगले चार साल में होने वाले विधानसभा चुनावों का क्या होगा? यह भी पूछा जा रहा है कि अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं का कार्यकाल तय कर दिया जाएगा तो बीच में सरकार ने बहुमत गंवाया या सरकार गिरी तब क्या होगा? क्या वहां राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा और अगले लोकसभा चुनाव के साथ ही वहां चुनाव होगा? वैसे इन सभी सवालों का जवाब सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक में मिल जाएगा। परंतु अगर राजनीतिक पूर्वाग्रह छोड़ दें तो इन सवालों के जवाब बहुत मुश्किल नहीं हैं। कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल बढ़ा कर और कुछ के कार्यकाल घटा कर सभी विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के साथ कराए जा सकते हैं।

जहां तक बीच में सरकार गिरने का सवाल है तो पिछले काफी समय से मध्यावधि चुनाव का चलन समाप्त हो गया है। पिछले एक दशक से ज्यादा समय से दिल्ली के एक अपवाद को छोड़ दें तो किसी राज्य में मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आई है। यह लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रतीक है। फिर भी इस संभावना को देखते हुए सकारात्मक अविश्वास प्रस्ताव का प्रावधान किया जा सकता है। यानी सरकार गिरने के साथ ही नई सरकार बनाने का प्रस्ताव भी रखा जाए। इसके बावजूद अगर कहीं सरकार गिरती है और नई सरकार नहीं बनती है तो वहां बचे हुए कार्यकाल के लिए चुनाव कराया जा सकता है। अगर इतने बड़े ऐतिहासिक निर्णय पर अमल करना है तो छोटे छोटे कुछ अपवाद बनाने होंगे।

विपक्ष की ओर से पहले दिन से इस प्रस्ताव का विरोध किया जा रहा है। विपक्ष का विरोध सिर्फ इस कारण से है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसका प्रस्ताव किया है। विपक्ष को सरकार के हर प्रस्ताव और हर अच्छी पहल का विरोध करना है इसलिए वह विरोध कर रही है। विरोध में विपक्ष की ओर से ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं, जिनसे खुद ही विपक्षी पार्टियां कठघरे में खड़ी होती हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां लोकसभा के साथ सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव को लोकतंत्र विरोधी बता रही हैं। प्रश्न है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना लोकतंत्र विरोधी कैसे है और अगर यह लोकतंत्र विरोधी है तो स्वतंत्रता के बाद करीब 20 साल तक चार लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कैसे हुए?

क्या देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस के दूसरे नेता लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रहे थे? ध्यान रहे आजादी के बाद 1952 में हुए पहले चुनाव से लेकर 1967 के चौथे चुनाव तक देश के सारे चुनाव एक साथ होते थे। उस समय भी अगर कांग्रेस पार्टी ने अपनी संविधान विरोधी सोच में गैर कांग्रेसी राज्य सरकारों को बरखास्त करना नहीं शुरू किया होता तो आगे भी एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चलती रहती। लेकिन कांग्रेस को बरदाश्त नहीं हुआ कि राज्यों में उसको हरा कर गैर कांग्रेसी सरकारें कैसे बन गई हैं। सो, उसने अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके उन सरकारों को बरखास्त किया, जिसकी वजह से एक साथ चुनाव का चक्र टूट गया। उसके बाद गठबंधन की राजनीति के दौर में केंद्र में और राज्यों में भी एक के बाद एक मध्यावधि चुनाव हुए। कहने की जरुरत नहीं है कि नब्बे के दशक का वह दौर देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब दौर रहा।

देश उस दौर से निकल आया है। अब राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता है और देश प्रगति के रास्ते पर अग्रसर है। इसलिए अब उससे और आगे बढ़ने की जरुरत है। देश की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र की मजबूती के लिए अगला चरण सभी चुनाव एक साथ कराने का है। ध्यान रहे भारत में चुनावों का ऐसा चक्र बना हुआ है कि हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते हैं। इस साल लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए और उसके बाद छह महीने में चार और राज्यों के चुनाव हो चुके हैं। अगले साल यानी 2025 में दो राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल 2026 में छह राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल भी छह राज्यों के चुनाव होने हैं।

इसी तरह साल दर साल चुनाव चलते रहते हैं और चुनाव भले किसी छोटे राज्य का हो लेकिन उस पर राष्ट्रीय दृष्टि लगी रहती है। लोग भी उसमें व्यस्त रहते हैं और विकास के कामकाज या तो ठप्प रहते हैं या उनकी रफ्तार धीमी हो जाती है। राजनीतिक दल संगठनात्मक कार्यों और आम नागरिकों का राजनीतिक, सामाजिक प्रशिक्षण करने की बजाय चुनावों में व्यस्त रहते हैं तो सरकारें सकारात्मक व टिकाऊ विकास के कार्यों की बजाय लोक लुभावन कार्यों में व्यस्त रहती हैं। एक साथ चुनावों के जरिए हर समय चलने वाले चुनावों पर विराम लगाया जा सकेगा और सरकारें टिकाऊ विकास के प्रति ज्यादा समर्पण के साथ काम कर सकेंगी। सरकार जो विधेयक ला रही है उसके मुताबिक लोकसभा के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव होंगे और उसके एक सौ दिन के अंदर सभी स्थानीय निकायों के चुनाव हो जाएंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा। तभी एक साथ चुनाव कराने का निर्णय ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 के बाद से देश बदलने वाले जो ऐतिहासिक निर्णय किए हैं यह भी उसी कड़ी का एक महान निर्णय है।

-एस. सुनील

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

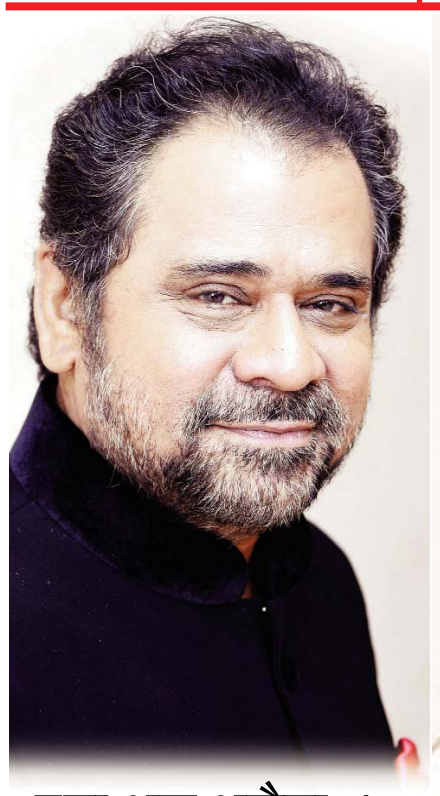

क्या भूल भुलैया 4 में होगी खिलाड़ी कुमार की वापसी? अनीस बज्मी ने तोड़ी चुप्पी

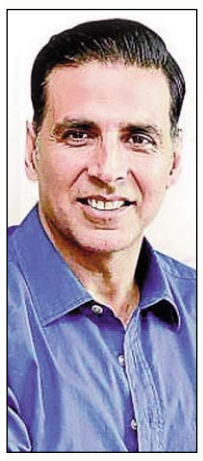

भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की अब तक तीन फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आए थे। फिर दूसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन ने उन्हें रिप्लेस कर दिया और इसी साल नवंबर में रिलीज हुई भूल भुलैया 3 में भी कार्तिक आर्यन ही नजर आए। क्या चौथी किस्त में अक्षय कुमार की वापसी हो सकती है, इसकी संभावनाओं पर फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने प्रतिक्रिया दी है। अक्षय कुमार के फैंस चाहते हैं कि भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की फिल्म में खिलाड़ी वापसी करें। हाल ही में अनीस बज्मी ने अभिनेता के साथ फिर से जुड़ने के बारे में अपना उत्साह जताया। इसे लेकर उन्होंने कहा, अगर कहानी में कहीं ऐसी गुंजाइश होती है तो इस बात की पूरी संभावना है कि अक्षय की वापसी हो। अनीस बज्मी ने कहा, दोस्ती, प्यार और हर चीज का एक शानदार बॉन्ड है। अगर कहानी फिट बैठती है, तो मुझे अक्षय कुमार को वापस फिल्म में लेते हुए खुशी होगी।

स्क्रिप्ट पर टिकी है पूरी संभावनाएं

अनीस बज्मी ने अक्षय की वापसी का संकेत देते हुए कहा कि उनकी वापसी तभी होगी, जब अगली फिल्म की कहानी में ऐसी डिमांड होगी। अनीस बज्मी ने पिंकविला के साथ बातचीत में यह कहा। अनीस बज्मी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले कुछ वर्षों में उनके और अक्षय कुमार के बीच के प्रोफेशनल रिश्ते, आपसी सम्मान और समझ की नींव पर बने हैं।

वही किरदार आएगा वापस?

अनीस बज्मी ने आगे कहा कि अभिनेता की वापसी के बारे में कोई भी फैसला आखिरकार इस बात पर निर्भर है कि स्क्रिप्ट अक्षय के किरदार और फिल्म के निर्देशन के अनुकूल है या नहीं। इससे इस बात की अटकलें भी लगाई जा सकती हैं कि चौथी किस्त में पिछली फिल्मों का ही अक्षय का किरदार वापसी करेगा या कोई नई अप्रोच होगी।

दुलकर सलमान के साथ जल्द नजर आएंगी पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े साल 2025 में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखेंगी। अब रिपोर्ट के अनुसार, वह एक तेलुगू रोमांटिक ड्रामा फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिलहाल फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है।

कब से शुरू होगी शूटिंग?

सूत्रों के अनुसार निर्माताओं को एक नई जोड़ी की तलाश थी। दुलकर सलमान और पूजा ने दक्षिण सिनेमा में प्रमुख नाम होने के बावजूद कभी एक साथ स्क्रीन साझा नहीं की है। इसलिए, उन्हें साथ लाने से दर्शकों को कहानी में ताजगी का एहसास होगा। निर्माताओं ने दोनों को पर्दे पर साथ लाने का यह प्रोजेक्ट 2025 के अंत में शुरू होने की संभावना है।

कई रोमांटिक फिल्मों में दिख चुके हैं दुलकर सलमान

अपने 12 साल के करियर में सलमान ने कई रोमांटिक ड्रामा फिल्मों में शानदार अभिनय किया है, जिनमें ओ कधल कनमनी (2015) से लेकर सीता रामम (2022) जैसी फिल्मों तक शामिल हैं।

थ्रिलर के बाद दोबारा करने जा रहे रोमांटिक फिल्में

चुप- रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट (2022), किंग ऑफ कोठा (2023) और लकी भास्कर जैसी थ्रिलर फिल्मों के बाद वह अब रोमांटिक कहानियों में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। एक अन्य सूत्र ने कहा, दुलकर

सलमान को अपनी फिल्मों के जरिए प्यार के अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करना बहुत पसंद है। वह अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्मों को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि ये एक-दूसरे से बिलकुल अलग हैं।

पूजा इन फिल्मों में कर रहीं काम

वर्क फ्रंट की बात करें तो पूजा इस साल की शुरुआत में शाहिद कपूर के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास विजय के साथ थलपति 69 और सूर्या के साथ सूर्या 44 जैसी फिल्में भी हैं। इसके अलावा वह फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में भी नजर आने वाली हैं, जिसमें वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

सूर्या 45 में विजय सेतुपति के साथ दो-दो हाथ करेंगे सूर्या

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म का आधिकारिक एलान हो चुका है। निर्माताओं ने सूर्या 45 का पोस्टर जारी करते हुए जानकारी दी थी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान आर बालाजी संभालेंगे। वहीं, अब अभिनेता की फिल्म पर नई जानकारी सामने आई है, जो फिल्म के खलनायक से जुड़ी हुई है। चलिए आपको बताते हैं कि इस फिल्म में सूर्या किस अभिनेता के साथ दो-दो हाथ करेंगे।

विजय सेतुपति बनेंगे खलनायक

सूर्या 45 के निर्माता एक के बाद एक फिल्म के बारे में अपडेट देने में लगे हुए हैं। अभिनेता-फिल्म निर्माता आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित, हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि युवा और सनसनीखेज संगीतकार साई अभ्यंकर एआर रहमान की जगह इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं। अब, नई रिपोर्टों के अनुसार, अभिनेता विजय सेतुपति के साथ प्रतिपक्षी की भूमिका निभाने के लिए चर्चा चल रही है। क्या मास्टर अभिनेता एक बार फिर खलनायक की भूमिका निभाएंगे और सूर्या के साथ अभिनय करेंगे? केवल आधिकारिक घोषणा ही इसका खुलासा करेगी।

विजय सेतुपति का खलनायक अवतार

दर्शक पहले ही विजय सेतुपति का खतरनाक अवतार देख चुके हैं, जिन्होंने मास्टर, विक्रम और विक्रम वेधा जैसी फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाई है। अभिनेता ने कुछ समय के लिए खलनायक की भूमिकाएं निभाने से ब्रेक लिया था, ऐसा लग रहा है कि फैंस उन्हें आगामी फिल्म सूर्या 45 में फिर से खेलते हुए देखेंगे। कथित तौर पर टीम अभिनेता के साथ बातचीत कर रही है और अगर सब ठीक रहा तो दर्शक सूर्या और विजय सेतुपति को सूर्या 45 में भिड़ते हुए देख सकते हैं। टीम द्वारा अभी आधिकारिक घोषणा की जानी बाकी है।

सूर्या के साथ रोमांस करेंगे तृषा

सूर्या 45 को आरजे बालाजी ने लिखा और निर्देशित किया है और इसे ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सूर्या पहली बार आरजे बालाजी के साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग कुछ दिन पहले पोलाची में शुरू हुई थी, जिसमें अभिनेत्री तृषा मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। जब सूर्या 45 की पहली बार घोषणा की गई थी तो एआर रहमान को संगीतकार के रूप में पुष्टि की गई थी।

पत्रलेखा ने बॉलीवुड में अपने बुरे दौर को किया याद

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक-दूसरे को 11 साल तक डेट किया और फिर 2021 में यह कपल शादी के बंधन में बंध गया। अब एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने अपने फिल्मी करियर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि राजकुमार राव के लिए यह देखना बहुत मुश्किल था कि वह फिल्म इंडस्ट्री में सफलता पाने के लिए स्ट्रगल कर रही थीं। पत्रलेखा ने कहा, जब आप अपने करियर में अच्छा नहीं कर पाते हैं, तो आप उस पर कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन मुश्किल तब होती है, जब आपका पार्टनर या भाई-बहन अच्छा नहीं कर रहे होते हैं। उस समय आप उनकी स्थिति को महसूस तो करते हैं, लेकिन कुछ नहीं कर पाते। यही अनुभव राजकुमार राव का मेरे साथ था। पत्रलेखा ने कहा, एक समय ऐसा था जब मैं काफी संघर्ष कर रही थी और उस वक्त राजकुमार काफी सफलता हासिल कर रहे थे। फिर भी, वह कभी-कभी अपनी फिल्मों के बारे में बात नहीं करते थे, ताकि मुझे बुरा न लगे और मैं दुखी न हो जाऊं। हालांकि, वह मुझसे कुछ नहीं कहते थे, लेकिन मुझे पता था कि मेरा संघर्ष करना उन्हें दुखी करता था।

फिर एफआईआर लिखने आ रहीं हैं चंद्रमुखी चौटाला?

शो एफआईआर के प्रशंसकों को पुरानी यादें ताजा हो गई हैं। कविता कौशिक ने पूरी कास्ट के साथ एक खास मुलाकात की झलक साझा की है। इस मौके पर आमिर अली, सपना सिकरवार, गोपी भल्ला, संदीप आनंद के साथ कविता खुद भी मौजूद थीं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया और लिखा- हाये दइया कहां जाउ मैं, एफआईआर लिखूं। कविता शो में चंद्रमुखी चौटाला के किरदार के लिए मशहूर थीं, साथ ही उनके अंदाज को लोग खूब पसंद करते थे। हालांकि, कांस्टेबल गुलगुले की भूमिका निभाने वाले कीकू शारदा इस रियूनियन में अनुपस्थित रहे।

फहद फासिल की पहली बॉलीवुड फिल्म होगी इडियट्स ऑफ इस्तांबुल

फहद फासिल इन दिनों अपनी नई फिल्म पुष्पा 2 द रूल को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म में उन्होंने भंवर सिंह शेखावत के रूप में खलनायक का किरदार निभाया है। वहीं, अब वे फिल्म की दमदार सफलता का जश्न मना रहे हैं। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में दिलचस्प जानकारी सामने आई है। पुष्पा 2- द रूल की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद फहद फासिल अब अपनी पहली बॉलीवुड परियोजना के लिए तैयार हैं, जिसका आखिरकार शीर्षक सामने आ गया है। फहद फासिल की पहली बॉलीवुड फिल्म का नाम इडियट्स ऑफ इस्तांबुल है, जो एक अपरंपरागत प्रेम कहानी है, इसका निर्देशन इम्तियाज अली करेंगे। बताया गया कि यह एक अनोखा शीर्षक है, क्योंकि इम्तियाज अली गहन रोमांस से लेकर जीवन के कुछ पहलुओं पर आधारित रोमांटिक कॉमेडी तक की शैली बदल रहे हैं। आगे कहा गया कि कहानी के लिए इडियट्स ऑफ इस्तांबुल जैसा शीर्षक चाहिए, क्योंकि दो प्रमुख पात्र तुर्की के सबसे बड़े शहर की यात्रा पर हैं। फहद फासिल की फिल्म में कास्टिंग एकदम सही है और अभिनेता भी इम्तियाज अली और टीम के साथ यात्रा करने के लिए उत्साहित हैं।

अब मैं अनन्या का पिता और भावना का पति हूं, लेडीज मेरे लिए बहुत लकी रही हैं

एक्टर चंकी पांडे ने अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव देखा है। इन दिनों भी वह चुनिंदा फिल्मों में नजर आते हैं। हालांकि, अपने काम के अलावा, वह एक्टर बिटिया अनन्या पांडे और फैबुलस लाइफ ऑफ बॉलिवुड वाइव्स फेम पत्नी भावना के चलते भी चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में फिल्म विजय 69 में दिखे।

फिल्म में आपका किरदार कहता है कि हम सब अपनी जिंदगी में करना कुछ चाहते हैं, मगर कर कुछ और रहे होते हैं, आप खुद इस दौर से कभी गुजरे हैं? और उस दौर से कैसे उबरे?

हम सबकी जिंदगी में ऐसा होता ही है कि हम सोचते कुछ हैं, मगर होता कुछ और है। मेरी जिंदगी में तो बहुत लो फेज आए हैं। मैंने बहुत बुरा वक्त देखा है। बिना काम के रहा हूं लेकिन मेरा मानना है कि आपको अपने बुरे दौर को सबसे ज्यादा इंजॉय करना चाहिए, क्योंकि तब आप पर किसी की नजर नहीं होती है। कोई आपको देख नहीं रहा होता है तो आप बहुत कुछ एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। तब आपके पास वक्त ही वक्त होता है, तो आप कोई नई हॉबी शुरू कर सकते हैं। अपनी सेहत पर ध्यान दे सकते हैं। परिवार को वक्त दे सकते हैं, तो अपने लो फेज में जब मेरे पास यहां काम नहीं था, मैं बांग्लादेश चला गया। मैं वहां फिल्में करने लगा। फिर मेरी शादी हुई और मेरी पत्नी भावना मेरी जिंदगी में आई, जो मेरी लकी चार्म साबित हुई। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिर मेरी दो बेटियां हुईं और सब अच्छा हो गया।

आपकी बेटी अनन्या आज की पीढ़ी के ऐक्टर्स का प्रतिनिधित्व करती हैं। ऐसे में, आप दोनों के बीच ऐक्टिंग को लेकर किस तरह की चर्चा होती है? क्या आप उनसे कुछ सीखते हैं?

सच कहूं तो मुझे आज की युवा पीढ़ी के ऐक्टर्स बहुत पसंद है। मैं उनसे ऐक्टिंग सीखता हूं। आज के इन ऐक्टर्स के लिए लेस इज मोर यानी वे कम में ज्यादा कहने की कोशिश करते हैं। हमारे जमाने में तो ऐक्टिंग हमेशा बहुत ड्रमैटिक और लाउड हुआ करती थी। आज के ऐक्टर्स बहुत सहज तरीके से ऐक्टिंग करते हैं। वे किरदार में घुस जाते हैं। इसलिए, मेरा मानना है कि हम लोगों को खुद को री इन्वेंट करने के लिए इनकी नकल करनी चाहिए।

आपने पत्नी भावना को अपना लकी चार्म कहा। लेकिन जब उन्होंने फैबुलस लाइफ ऑफ बॉलिवुड वाइव्स करने को कहा तो आपकी प्रतिक्रिया क्या थी? क्या कोई हिचक हुई क्योंकि उसमें आपकी निजी जिंदगी भी दिखाई जानी थी?

नहीं, बिल्कुल नहीं, बल्कि मैं तो बहुत खुश था कि भावना को वह शो करने का मौका मिला और उसे इतना प्यार मिला। लोगों के लिए मैं पहले चंकी पांडे था, फिर अनन्या का पापा बन गया और अब मैं भावना का पति बन गया हूं (हंसते हैं) तो लेडीज मेरे लिए बहुत लकी रही हैं और बस अभी मैं उनके कंधों पर बंदूक चला रहा हूं।

फिल्म में विजय का किरदार 69 की उम्र में ट्रायथलॉन जैसे एडवेंचर पर जाता है। आप खुद 60 पार कर चुके हैं, आपकी ऐसी कोई अधूरी ख्वाहिश है?

मैं पायलट बनना चाहता हूं। हालांकि, वैसे 62 की उम्र में यह बहुत ही मुश्किल है, लेकिन हाल ही में मैंने अपनी आंखें चेक कराई हैं और उस लिहाज से मैं प्लेन उड़ाने के लिए फिट हूं, तो अगर मुझे चांस मिले तो मैं पायलट बनना चाहता हूं। अभी ही मैंने अपना ड्राइविंग टेस्ट भी पास किया है। वैसे, मैं अच्छा गाड़ी चला लेता हूं लेकिन 18 साल की उम्र में मैं ड्राइविंग टेस्ट में फेल हो गया था। उसके बाद जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि ड्राइवर आ गया था। बाकी, मैंने फिल्मों में गाड़ी चलाई हैं, पर वहां लाइसेंस नहीं लगता है लेकिन अभी जब मैं इंटरनैशनल ड्राइविंग लाइसेंस बनाने गया तो उन्होंने कहा भाई, आपको टेस्ट देना पड़ेगा, क्योंकि आपकी उम्र 60 से ज्यादा है, तो मैंने टेस्ट पास किया।

तीसरा टेस्ट : हेड और स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर , 405/7

-बुमराह ने लिए पांच विकेट

गाबा (एजेंसी)। ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शानदार शतकों से ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 405 रन बना लिए थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय मिचेल स्टार्क 7 रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर खेल रहे थे। ट्रेविस हेड ने 152 रन और स्टीव स्मिथ ने 101 रन की पारी खेली। वहीं, भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए जबकि सिराज और नीतीश को एक-एक विकेट मिला।। वहीं पहले दिन बारिश के कारण केवल 13.2 ओवर का ही खेल हो पाया। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर मेजबानों को बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले दिन केवल 13.2 ओवर ही फेंके जा सके थे जिसमें मेजबानों ने 28 रन बनाये थे।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन के बिना किसी विकेट के 28 रन से आगे खेलना शुरू किया और दिन भर में 377 रन बनाए और सात विकेट खोये। बुमराह ने पहले सत्र में उस्मान ख्वाजा 21 और नाथन मैकस्वीनी 9 को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद पहले सत्र में ही नीतीश रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन को 12 रनों पर ही आउट कर दिया।, इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने अच्छी साझेदारी कर स्कोर आगे बढ़ाया । दोनों ने चौथे विकेट के लिए 242 रन की साझेदारी निभाई। हेड ने टेस्ट करियर का नौवां और स्मिथ ने 33वां शतक लगाया ।स्मिथ 190 गेंद पर 12 चौके की मदद से 101 रन और हेड 160 गेंद पर 18 चौके की मदद से 152 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मिचेल मार्श पांच रन और कप्तान पैट कमिंस 20 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने सातवें विकेट के लिए कैरी के साथ 58 रन की साझेदारी निभाई।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन लंच तक अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 104 रन बना लिए हैं। दूसरे दिन पहले सेशन में 76 रन बने और तीन विकेट गिरे। दूसरे सेशन में ट्रेविस हेड ने अपना शतक पूरा किया। हेड ने केवल 115 गेंदों में ही अपना शतक लगा दिया। इसमें 13 चौके शामिल थे।

डब्ल्यूपीएल 2025: सिमरन शेख सबसे महंगी खिलाड़ी बनी, 16 वर्षीय जी कमलिनी 1.60 करोड़ में बिकी

बेंगलुरु (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 की रविवार को हुई मिनी नीलामी में लेग स्पिनर को सिमरन शेख को मुंबई इंडियंस ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर 1.90 करोड़ रुपए में खरीदा। सिमरन का यह चयन उनकी टी-20 क्रिकेट में उनकी गेम-चेंजर की भूमिका को दर्शाता है।

इसके अलावा मुंबई ने शानदार प्रदर्शन कर रही तमिलनाडु की 16 वर्षीय जी कमलिनी को 1.60 करोड़ रूपये में खरीदा। कमलिनी के लिए अनकैप्ड में सबसे बड़ी बोली लगी। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को गुजरात जायंट्स ने 1.70 करोड़ रुपए में खरीदा। डॉटिन ने हाल ही में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था। विश्वकप में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ रन देकर चार विकेट लिए थे। इसके अलावा उन्होंने 167.3 की स्ट्राइक रेट से 82 रन भी बनाए थे।

नीलामी में प्रमुख भारतीय खिलाड़ी स्नेह राणा और पूनम यादव शुरुआती दौर में नहीं मिला खरीदार। इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्रेमा रावत को 1.2 करोड़ रुपए में और दिल्ली कैपिटल्स ने एन. चरानी को 55 लाख रुपए में खरीदा।

बुमराह ने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह इसी के साथ ही विदेशी हालातों में सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज बनकर उभरे हैं। बुमराह ने इसी के साथ ही महान ऑलराउंडर कपिल देव को भी पीछे छोड़ दिया।

ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह ने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के विकेट लिए। दोनों को आउट करते हुए उन्होंने 25 ओवर में 2.90 की इकॉनमी रेट से 72 रन देकर पांच विकेट लिए। इस प्रकार एशिया के बाहर बुमराह ने 10 वीं बार 5 विकेट लिए हैं। इससे पहले कपिल के नाम एशिया के बाहर 9 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड था। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में तीन, दक्षिण अफ्रीका में तीन और वेस्टइंडीज तथा इंग्लैंड में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरी ओर, कपिल ने ऑस्ट्रेलिया में 5, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। बुमराह के सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 8 पांच विकेट है, जिसने कपिल को एक बार फिर पीछे छोड़ दिया जिनके नाम इन देशों में 7 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड था।

ऋषभ ने बनाया रिकार्ड, 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने

गाबा (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। ऋषभ ने इस मैच में जसप्रीत बुमराह की गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का कैच पकड़ते ही टेस्ट विकेटकीपर के तौर पर अपना 150वां शिकार किया। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर जिस पकार की विकेटकीपिंग की है। उससे सभी हैरान हैं। इस युवा क्रिकेटर ने सीमित ओवरों के अलावा टेस्ट क्रिकेट में अपनी फिटनेस को साबित किया है।

वह 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने हैं।

उनसे पहले ये उपलब्धि महेन्द्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी ने हासिल की थी। ऋषभ ने अब तक 41 टेस्ट मैचों में 135 कैच पकड़ने के साथ ही 15 स्टम्पिंग की हैं। धोनी इस सूची में पहले नंबर पर हैं उन्होंने विकेटकीपर के तौर पर कुल 294 शिकार किये हैं। जिसमें 256 कैच और 38 स्टम्पिंग हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रहे सैयद किरमानी के नाम 198 शिकार हैं जिसमें उन्होंने 160 कैच पकड़े हैं जबकि 38 स्टम्पिंग की हैं। अब ऋषभ को किरमानी को पीछे छोड़ने के लिए 49 और शिकार बतौर विकेटकीपर टेस्ट क्रिकेट में करने हैं।

ब्रिस्बेन का गाबा मैदान इस युवा क्रिकेटर के लिए काफी अच्छा रहा है। यहां उन्होंने पिछली बार शानदार बल्लेबाजी करते हुए 97 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

रुट न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी खिलाड़ी बने, मियांदाद से आगे निकले

हैमिल्टन । इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने 32 रनों की पारी खेलकर भी एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रुट ने पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज जावेद मियांदाद का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अब रुट न्यूजीलैंड की धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के मियांदाद का रिकॉर्ड तोड़ा है। रुटा के अब न्यूजीलैंड की धरती पर कुल 952 टेस्ट रन हो गये हैं जबकि मियांदाद ने न्यूजीलैंड की धरती पर 928 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं 842 रनों के साथ भारत के सचिन तेंदुलकर तीसरे नंबर पर हैं। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 347 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड की आधा टीम अपनी पहली पारी में 100 रनों में ही पेवेलियन लौट गयी। इन हालातों में रुट ने टीम को संभालने का प्रयासा किया।

गाबा टेस्ट ड्रॉ भी हुआ तो भी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में नहीं आयेगा बदलाव

गाबा । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बारिश के कारण खेल कुछ ही ओवर हो पाया। यहां जिस प्रकार के हालात हैं उसमें आगे भी बारिश होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो ये मैच ड्रॉ होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।अगर यह मैच ड्रॉ हुआ तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका पर किस प्रकार का प्रभाव होता है ये सवाल सभी के मन में उठ रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी अंत तालिका में अभी दक्षिण अफ्रीका 63.33 अंक प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया (60.71) अंक प्रतिशत के साथ दूसरे और भारतीय टीम 57.29 अंक प्रतिशत के साथ ही तीसरे नंबर पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद श्रीलंका 45.45 अंक प्रतिशत के साथ ही चौथे नंबर पर है। वहीं अगर गाबा टेस्ट मैच ड्रॉ हो जाता है तो भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के अंक जरुर घट जाएंगे पर अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आएगा। मैच ड्रॉ होने पर ऑस्ट्रेलिया के अंक प्रतिशत 60.71 से घटकर 58.89 रह जाएंगे। वहीं भारतीय टीम के अंक प्रतिशत 57.29 से कम होकर 55.88 पर फिसल जाएंगे पर दोनों टीमों की रैंकिंग नहीं बदलेगी। ऑस्ट्रेलिया पहले की तरह दूसरे और भारतीय टीम तीसरे नंबर पर बनी रहेगी। वहीं इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका पहले और श्रीलंका चौथे नंबर पर बरकरार रहेगी। न्यूजीलैंड 45.24 अंक प्रतिशत के साथ ही पांचवें नंबर पर है।

राहुल को खरीदना ही नहीं चाहती थी आरसीबी

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) ने जब आईपीएल 2025 के लिए पिछले माह हुई नीलामी में के ए राहुल पर बोली नहीं लगायी थी तो सभी हैरान हो गये थे। वहीं अब ये खुलासा हुआ है कि आरसीबी की राहुल को खरीदने की कोई योजना ही नहीं थी। आईपीएल का 18वां सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा। मेगा नीलामी में आरसीबी ने अपनी पसंद के कई खिलाड़ी खरीदे हैं हालांकि, फेंचाइजी के कुछ फैसलों से सभी हैरान भी हुए इसमें से एक था राहुल को न खरीदना। इसका कारण है कि नीलामी से पहले कहा जा रहा था कि राहुल को आरसीबी किसी भी कीमत में खरीदेगी। यहां तक कहा गया था कि आरसीबी राहुल को कप्तान भी बनाएगी पर बाद से ये सभी बातें गलत निकलीं। आरसीबी की जिन खिलाड़ियों को खरीदने की सूची सामने आई है। उससे सभी हैरान हैं। लिस्ट सामने आई है, जिसने सभी को चौंका दिया है. इस सूची में राहुल ही नहीं श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत जैसे बड़े खिलाड़ियों के नाम भी नहीं थे। इससे साफ है कि आरसीबी इन्हें नहीं चाहती थी। आरसीबी की सूची में स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का नाम जरूर था। इसके अलावा टीम की टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन को भी खरीदने की योजना थी। जिसमें वह सफल भी रही। इसके अलावा आरसीबी की सचूी में भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे। इसी वजह से उसने भुवी को मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके अलावा टी नटराजन, डेविड मिलर और जोश हेजलवुड भी उसकी योजना में शामिल थे।

सिराज पर निशाना साधने वालों को गावस्कर का जवाब, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' का दोहरा चरित्र दिखाया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ विवाद में मोहम्मद सिराज पर निशाना साधने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' के दोहरे चरित्र की आलोचना की है। पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने शतक पूरा करने के बाद डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था।

हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की% लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस दावे से इनकार किया। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया। गावस्कर ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' में कटाक्ष करते हुए लिखा, 'सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के 'पंडितों' से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है।'

उन्होंने लिखा, 'इससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया।' गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर कटाक्ष किया कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते हैं। उन्होंने लिखा, 'यह लोग हालांकि अगले सत्र में की एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेंदबाज की इंग्लैंड के बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकत का समर्थन करेंगे। मीडिया में कुछ सुझाव थे कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को को फिर से पहले की तरह बेहद आक्रामक रवैया अपनाना चाहिए।'

गावस्कर हालांकि सिराज के गुस्से से आश्चर्यचकित थे क्योंकि आईपीएल ने खिलाड़ियों के बीच कटुता को कम कर दिया था। उन्होंने कहा, 'सिराज का गुस्सा आश्चर्यजनक था क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों और कोचों को करोड़पति बनाने के अलावा एक काम किया है और वह काम है पहले से मौजूद कटुता को काफी हद तक कम करना।'

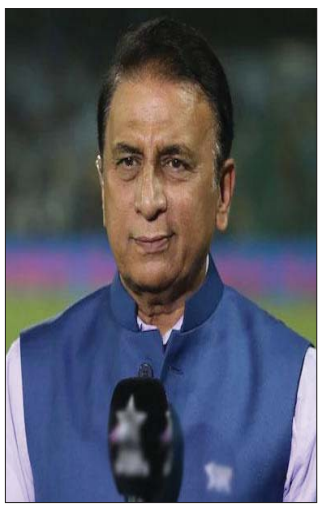

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी में असंतोष

नई दिल्ली - भारत द्वारा सीमा पार जाने से इनकार करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाइब्रिड प्रारूप में करने के फैसले से संगठन में असंतोष पैदा हो गया है। सूत्रों ने के मुताबिक पाकिस्तान द्वारा इस फैसले को स्वीकार करने के तरीके से कई सदस्य नाखुश हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव की पुष्टि की है जिसमें भारत दुबई में अपने मैच खेलेगा, जबकि पाकिस्तान बाकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुआवजे के तौर पर पाकिस्तान को कोलंबो में 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने की अनुमति दी गई है। पाकिस्तान को 2027 के बाद आईसीसी महिला आयोजन की मेजबानी का अधिकार भी दिया गया है। पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ ही हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया कि कुछ सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को आईसीसी की रणनीति से दूर रहना चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ उन लोगों में से एक हैं जो पीसीएच द्वारा हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताने के तरीके से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2027 के बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की पेशकश करना हाइब्रिड मॉडल में सीटी 2025 की मेजबानी के लिए कोई मुआवजा नहीं है।

ऋषभ को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल, मुखौटे पहने नजर आये प्रशंसक

गाबा । भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि दोनो टीमों के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लिए पहुंचे प्रशंसक ऋषभ के मुखौटे पहने नजर आये। ये प्रशंसक ढोल की थाप पर नाचते दिखे। बारिश के कारण भले ही खेल नहीं हो पाया पर ऋषभ के प्रशंसक जमे रहे। ये प्रशंसक इस भारतीय क्रिकेटर के नाम के मुखौटे पहने हुए थे। वह उनके नाम के नारे लगा रहे थे तो कई ढोल की थाम पर नाचते हुए भी दिखे। गाबा को वैसे भी साल 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऋषभ की आक्रामक पारी के लिए याद किया जाता है। इस स्थल पर वापस आने के बारे में बात करते हुए इस क्रिकेटर ने भी पिछले दिनों कहा था कि उन्हें यहां आकर बेहद खुशी हुई और वह सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए थे क्योंकि इस स्थल की उन्हें कुछ शानदार यादें हैं। प्रशंसकों ने इस युवा क्रिकेटर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उसे समर्थन में नारे लगाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी मैदान पर इस क्रिकेटर ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारी खेली थी। टीम इंडिया को उसे मैच में 407 रन का लक्ष्य मिला था। तब ऋषभ ने 97 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे मोहम्मद शमी, इस टीम में हुए शामिल

नई दिल्ली - तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शमी ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी नौ मैचों में खेलते हुए 7.85 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए। टूर्नामेंट के दौरान उनके घुटने में सूजन आ गई जिससे टेस्ट क्रिकेट के लिए उनकी तैयारी में बाधा आई। वह ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए अपनी फिटनेस हासिल करने करने का प्रयास कर रहे है। शमी के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार भी सुदीप कुमार घरामी की अगुवाई वाली बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। मुकेश फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी रिजर्व के तौर पर हैं। बंगाल अपना अभियान 21 दिसंबर को हैदराबाद में दिल्ली के खिलाफ शुरू करेगा। खिलाड़ी बुधवार को कोलकाता से हैदराबाद के लिए रवाना होंगे।

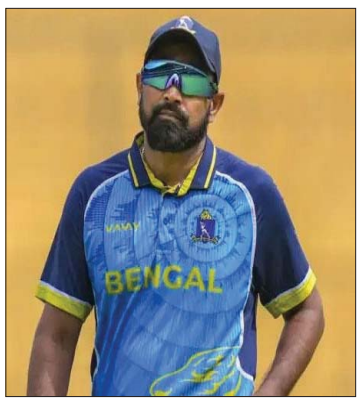

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम - सुदीप कुमार घरामी (कप्तान), मोहम्मद शमी, अनुस्तुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेट कीपर), सुदीप चटर्जी, करण लाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेट कीपर), सुमंत गुप्ता, शुभम चटर्जी, रंजोत सिंह खैरा, प्रदीप प्रमाणिक, कौशिक मैती, विकास सिंह, मुकेश कुमार, सक्षम चौधरी, रोहित कुमार, मोहम्मद कैफ, सूरज सिंधु जायसवाल, सायन घोष और कनिष्क सेठ।

मेरा शतरंज खेलने का कारण पैसा नहीं, करोड़पति बनने पर बोले विश्व चैंपियन गुकेश

बेंगलुरू (एजेंसी)। सिंगापुर -नए विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए करोड़पति बनने का तमगा बहुत मायने रखता है लेकिन वह भौतिक लाभ के लिए नहीं खेलते बल्कि इसका आनंद उठाने के लिए खेलते हैं और वह इस लगाव को तब से बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं जब शतरंज बोर्ड उनके लिए सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था।

चेन्नई के 18 वर्षीय गुकेश अब 11.45 करोड़ रुपए अधिक अमीर हो गए हैं जो उन्हें फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराने के लिए फिडे से पुरस्कार राशि के रूप में मिलेगा। गुकेश के पिता रजनीकांत ने अपने बेटे के साथ सर्किट पर जाने के लिए 'ईएनटी सर्जन' के तौर पर अपना करियर छोड़ दिया जबकि उनकी मां पद्मकुमारी एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं जो परिवार की एकमात्र कमाने वाली बन गईं।

यह पूछे जाने पर कि करोड़पति होना उनके लिए क्या मायने रखता है तो गुकेश ने एक इंटरव्यू के रूप में फिडे को बताया, 'यह बहुत मायने रखता है। जब मैं शतरंज में आया तो हमें एक परिवार के रूप में कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता वित्तीय और भावनात्मक कठिनाइयों से गुजरे थे। अब, हम अधिक सहज हैं और मेरे माता-पिता को उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। व्यक्तिगत रूप से मैं पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलता।'

वह हमेशा याद रखने की कोशिश करते हैं कि जब उसे अपना पहला शतरंज बोर्ड मिला था तो उन्होंने यह खेल क्यों खेलना शुरू किया था। नए विश्व चैम्पियन बने गुकेश ने कहा, 'मैं अब भी वही बच्चा हूं जिसे शतरंज पसंद है। यह सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था।' मितभाषी विश्व चैंपियन के पिता उनके प्रबंधक की भूमिका निभाते हैं, उनकी सभी ऑफ-बोर्ड गतिविधियों का ध्यान रखते हैं और उसे खेल पर ध्यान केंद्रित करने देते हैं जबकि उनकी मां भावनात्मक और आध्यात्मिक शक्ति का स्तंभ है। गुकेश ने कहा, 'मां अब भी कहती है। मुझे यह जानकर खुशी होगी कि तुम एक महान शतरंज खिलाड़ी हो, लेकिन मुझे यह सुनकर अधिक खुशी होगी कि तुम एक महान व्यक्ति हो।'

अब भी अपनी किशोरावस्था में गुकेश को लगता है कि खेल के एक छात्र के रूप में वह जितना अधिक शतरंज के बारे में सीखेगा, उतना ही उसे पता चलेगा कि वह कितना कम जानता है। उन्होंने कहा, 'यहां तक सबसे महान खिलाड़ी भी बहुत सारी गलतियां करते हैं। भले ही तकनीक इतनी उन्नत हो, लेकिन शतरंज के बारे में अब भी बहुत कुछ सीखना बाकी है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जितना अधिक आप कुछ सीखते हैं, उतना ही आपको अहसास होता है कि आप उस चीज को नहीं जानते हैं।' गुकेश ने कहा, 'जब भी मैं शतरंज बोर्ड पर होता हूं तो मुझे लगता है कि मैं कुछ नया सीख रहा हूं। यह असीमित सुंदरता की प्रक्रिया है।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने दिया रहस्यमयी ड्रोन दिखाई देने पर उसे मार गिराने का निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के विभिन्न हिस्सों में दिखाई देने वाले रहस्यमयी ड्रोन को ''मार गिराने'' का निर्देश दिया है।

रहस्यमयी ड्रोन सबसे पहले न्यू जर्सी में देखे गए थे लेकिन उसके बाद से अब इस प्रकार के ड्रोन अन्य स्थानों पर भी दिखाई देने लगे हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार और व्हाइट हाउस ने अब तक यही कहा है कि इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और न ही इसमें किसी विदेशी हाथ होने का कोई सबूत है लेकिन फिर भी रहस्यमयी ड्रोन का दिखना जांच का विषय है। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश भर में रहस्यमयी ड्रोन दिखाई दिए हैं। क्या यह वास्तव में हमारी सरकार की जानकारी के बिना हो रहा है? मुझे ऐसा नहीं लगता, या तो जनता को इसके बारे में अभी जानकारी दो अथवा उन्हें मार गिराओ।'' ट्रंप ने इस पोस्ट के अंत में अपने हस्ताक्षर भी किए। इससे पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति कार्यालय एवं राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस ने कहा था कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि ड्रोन देखे जाने की कथित घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं या उनका किया अन्य देश से संबंध है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने संवाददाताओं को बताया कि आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय और एफबीआई इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं, तथा यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं। किर्बी ने कहा, '' अमेरिका का तट रक्षक बल न्यूजर्सी को सहयोग दे रहा ।महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में ड्रोन दिखाई देने की कोई सूचना नहीं है....।

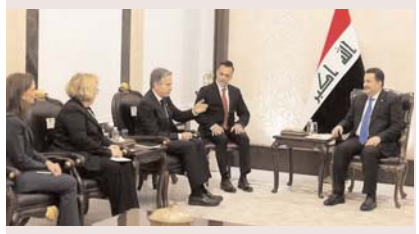

एंटनी ब्लिंकन ने बगदाद में इराकी प्रधानमंत्री से की मुलाकात, कहा- सीरिया को आतंकवादियों का गढ़ नहीं बनना चाहिए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को बगदाद में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी से मुलाकात की। इस दौरान पड़ोसी देश सीरिया के भविष्य पर बातचीत की। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के तख्तापलट के बाद ब्लिंकन की बगदाद यात्रा उनके मध्य पूर्व दौरे का अंतिम पड़ाव था। अमेरिकी विदेश सचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इराकी पीएम सुदानी और मैं सीरिया के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए मिले। मैंने इराक की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बताया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकन और अल सुदानी ने सीरिया में तानाशाही से लोकतंत्र लाने की आवश्यकता पर चर्चा की, ताकि सभी अल्पसंख्यकों को शामिल किया जा सके और उनकी सुरक्षा की जा सके। सीरिया आंतकवादियों का गढ़ नहीं होना चाहिए यह कहते हुए उन्होंने कहा कि हमने इस क्षेत्र और उससे परे कई देशों की प्रतिबद्धता पर चर्चा की कि सीरिया असद तानाशाही से लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निश्चित रूप से सीरिया में सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करता है, जिससे एक समावेशी, गैर-सांप्रदायिक सरकार बनती है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह इराक के लिए अपनी संप्रभुता के साथ-साथ अपनी स्थिरता, सुरक्षा और संभुप्रता को मजबूत करने का समय है। कई वर्ष पहले इराक और सीरिया में आईएसआईएस (जिसे दाएश के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा छेड़ी हुई लड़ाई को सफलतापूर्वक खत्म करने के लिए अमेरिका और इराक द्वारा उठाए संयुक्त कदम पर भी बात की। एंटनी ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका और इराक ने उस क्षेत्र को छीनने में सफलता हासिल की है, जिसे दाएश ने वर्षों पहले बनाया था। इराक से ज्यादा कोई भी इसके महत्व को नहीं जानता क्योंकि सीरिया में आईएसआईएस या दाएश की मौजूदगी जारी है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं कि दाएश फिर से उभर न सके।

दक्षिण अफ्रीकी बिजलीघर में विस्फोट में 9 कर्मचारी घायल

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी बिजली कंपनी एस्कॉम के माटला पावर स्टेशन में हुए विस्फोट में नौ कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। एस्कॉम ने शुक्रवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि यूनिट 6 के ट्रांसफॉर्मर में उच्च दबाव वाली भाप स्टील पाइप टूटने के कारण यह विस्फोट हुआ। इसके परिणामस्वरूप जोरदार धमाका हुआ और यूनिट 6 क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद हो गई। एस्कॉम ने कहा कि इस घटना के कारण काफी धूल और बिजली की कमी हुई, जिससे स्थिति का पूरा आकलन शुक्रवार सुबह तक नहीं किया जा सका। तकनीकी टीमें मौके पर हैं और वे नुकसान, काम के दायरे और मरम्मत के लिए आवश्यक समय का आकलन कर रही हैं। इस घटना में नौ कर्मचारी जलने से घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। दो की स्थिति अर्ध-गंभीर है, लेकिन सभी स्थिर हैं। बाकी छह कर्मचारियों को कम गंभीर चोटें आईं। हालांकि, इस घटना का लोड शेडिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

स्विट्जरलैंड ने तरजीही देश का दर्जा वापस लिया, 1 जनवरी से इन्हें होगा नुकसान

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड एक जनवरी, 2025 से भारतीय कंपनियों के उस देश में अर्जित डिविडेंड पर 10 फीसदी टैक?स लगाएगा। इससे स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अधिक ञ्झड्ड× लगने के साथ भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ने की आशंका है।

स्विट्जरलैंड ने दोहरे कराधान से बचाव के लिए भारत के साथ हुए समझौते में सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र के प्रावधान को निलंबित कर दिया है। इस फैसले के बाद स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अधिक ञ्झड्ड× लगने के साथ भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ने की आशंका है। स्विट्जरलैंड के वित्त विभाग ने 11 दिसंबर को अपने एक बयान में एमएफएन दर्जा वापस लेने की जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम भारत के सुप्रीम कोर्ट के पिछले साल आए एक फैसले के संदर्भ में उठाया गया है। स्विट्जरलैंड ने अपने इस निर्णय के लिए 2023 में नेस्ले से संबंधित एक मामले में आए उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया। डिब्बाबंद खाद्य उत्पादों के कारोबार में लगी नेस्ले का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के वेवे शहर में है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : स्विस सरकार के इस फैसले पर कर परामर्शदाता नांगिया एंडरसन में कर साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि अब

स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय इकाइयों की टैक्स देनदारियां बढ़ सकती हैं। एकेएम ग्लोबल फर्म में कर साझेदार अमित माहेश्वरी ने कहा कि इससे भारत में स्विस निवेश प्रभावित हो सकता है, क्योंकि एक जनवरी, 2025 या उसके बाद अर्जित आय पर मूल दोहरे कराधान संधि में उल्लिखित दरों पर कर लगाया जा सकता है।

क्या है तरजीही राष्ट्र दर्जा : यह दर्जा एक प्रोटोकॉल है जो भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच दोहरा कराधान बचाव समझौते का हिस्सा है। स्विट्ज़रलैंड ने कहा कि इस समझौते के तरजीही राष्ट्र के प्रावधान को निलंबित कर दिया गया है। यह दर्जा वापस लेने का मतलब है कि स्विट्जरलैंड एक जनवरी, 2025 से भारतीय कंपनियों के उस देश में अर्जित डिविडेंड पर 10 फीसदी टैक?स लगाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था यह आदेश : यह फैसला पिछले साल भारत के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि डीटीएए को तब तक लागू नहीं किया जा सकता जब तक कि इसे आयकर अधिनियम के तहत अधिसूचित न किया जाए। इस फैसले का मतलब था कि नेस्ले जैसी स्विस कंपनियों को डिविडेंड पर अधिक टैक्स देना होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया था। उस आदेश ने यह सुनिश्चित किया था कि विदेशी संस्थाओं में या उनके लिए काम करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर दोहरा कराधान न हो।

भारत में निवेश पर असर पड़ने की आशंका : टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि स्विट्जरलैंड के इस कदम से भारत में निवेश प्रभावित हो सकता है। कारण है कि डिविडेंडड पर ज्यादा विदहोल्डिंग टैक्स लगेगा। यह इस साल मार्च में हस्ताक्षरित एक व्यापार समझौते के तहत चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ की ओर से 15 साल की अवधि में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता के लिए जोखिम पैदा करता है। ईएफटीए आइसलैंड, लिकटेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड का एक अंतर सरकारी समूह है।

फिर से बातचीत की जरूरत होगी : विदेश मंत्रालय : भारत ने शुक्रवार को कहा कि यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों के साथ व्यापार समझौते के मद्देनजर स्विट्जरलैंड के साथ उसकी दोहरी कराधान संधि पर फिर से बातचीत की जरूरत पड़ सकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'मेरी समझ से स्विट्जरलैंड के साथ ईएफटीए के कारण हमारी दोहरी कराधान संधि पर फिर से बातचीत होने जा रही है। यह इसका एक पहलू है।'

रिपब्लिकन ने अमेरिकी सदन में हासिल किया बहुमत, कांग्रेस पर रहेगा पूरा कंट्रोल

वाशिंगटन, एजेंसी। नवर्वाचित राष्ट्रपति ने देश के अब तक के सबसे बड़े निर्वासन अभियान को अंजाम देने, कर छूट बढ़ाने, अपने राजनीतिक दुश्मनों को दंडित करने, संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों पर नियंत्रण हासिल करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का वादा किया है। जीओपी चुनाव की जीत यह सुनिश्चित करती है कि कांग्रेस उस एजेंडे में शामिल होगी, और डेमोक्रेट इसे रोकने के लिए लगभग शक्तिहीन होंगे।

रिपब्लिकन ने अमेरिकी सदन को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त सीटें जीत ली हैं, जिससे पार्टी सत्ता में आ गई है और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अमेरिकी सरकार पर अपनी पकड़ सुरक्षित कर ली है। एरिजोना में हाउस रिपब्लिकन की जीत के साथ-साथ कैलिफोर्निया में जीओपी को 218 हाउस की जीत दिलाई जो बहुमत बनाती है। रिपब्लिकन ने पहले डेमोक्रेट से सीनेट पर नियंत्रण हासिल किया था। कठिन संघर्ष के बावजूद कम बहुमत के साथ, रिपब्लिकन नेता संघीय सरकार को उखाड़ फेंकने और देश के लिए ट्रम्प के दृष्टिकोण को तेजी से लागू करने के लिए जनादेश की कल्पना कर रहे हैं। नवर्वाचित राष्ट्रपति ने देश के अब तक के सबसे बड़े निर्वासन अभियान को अंजाम देने, कर छूट बढ़ाने, अपने राजनीतिक दुश्मनों को दंडित करने, संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों पर नियंत्रण हासिल करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का वादा किया है। जीओपी चुनाव की जीत यह सुनिश्चित करती है कि कांग्रेस उस एजेंडे में शामिल होगी, और डेमोक्रेट इसे रोकने के लिए लगभग शक्तिहीन होंगे।

जब ट्रम्प 2016 में राष्ट्रपति चुने गए, तो रिपब्लिकन ने भी कांग्रेस में जीत हासिल की, लेकिन फिर भी उन्हें अपने नीतिगत विचारों के प्रतिरोधी रिपब्लिकन नेताओं के साथ-साथ उदार बहुमत वाले सुप्रीम कोर्ट का सामना करना पड़ा। इस बार नही। जब वह व्हाइट हाउस लौटेंगे, तो ट्रम्प एक रिपब्लिकन पार्टी के साथ काम करेंगे जो उनके मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन और उनके द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीशों सहित रूढ़िवादी न्यायाधीशों के प्रभुत्व वाले सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूरी तरह से बदल दी गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद- समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद ने दी प्रतिक्रिया : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, 1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई।

ओपन एआई पर आरोप लगाने वाले सुचिर बालाजी की मौत : अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में शव मिला

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्चर सुचिर बालाजी 26 नवंबर को अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। पुलिस को शक है कि 26 साल के इंडो-अमेरिकन सुचिर ने आत्महत्या की थी। शिकागो ट्रिब्यून के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि उन्हें जांच में किसी भी तरह की गड़बड़ी के सबूत नहीं मिले हैं। 26 नवंबर का यह मामला 14 दिसंबर को चर्चा में आया। नवंबर 2020 से अगस्त 2024 तक ओपन एआई के लिए काम करने वाले सुचिर तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कंपनी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में सुचिर ने कहा था कि ओपन एआई का बिजनेस मॉडल स्टेबल नहीं है और इंटरनेट इकोसिस्टम के लिए बेहद खराब है। सुचिर ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए ऑनलाइन डेटा की नकल की अमेरिका के कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन किया। उन्होंने लोगों से जल्द से जल्द कंपनी छोड़ देने के लिए भी कहा था। इलॉन मस्क ने इस खबर पर रिएक्ट किया है।

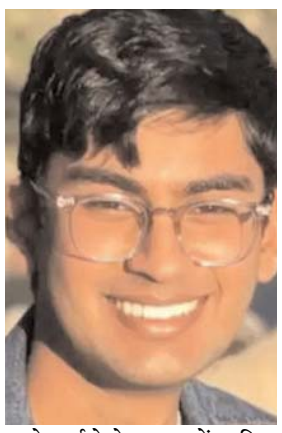

सुचिर बालाजी कौन हैं? सुचिर बालाजी ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की और ओपन एआई में स्केल एआई में इंटर्नशिप की। वह 2020 में ओपन एआई के लिए काम करने

वाले बर्कले ग्रेजुएट्स में शामिल थे। न्यूयॉर्क टाइम्स मुताबिक, बालाजी ने 2022 की शुरुआत में जीपीटी-4 नामक एक नई परियोजना के लिए डेटा इकट्ठा करना शुरू किया। 2022 के आखिर में उन्होंने इस बात को महसूस किया कि कंपनी अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए कॉपीराइट कानून का उल्लंघन कर रही थी। मस्क ने ओपन एआई पर मुकदमा दायर किया बता दें कि मस्क ने अल्टमैन के साथ मिलकर 2015 में ओपन एआई बनाई थी। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्च कंपनी है जो चेट जीपीटी जैसी सेवाएं बनाती है। मस्क ने 2018 में कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था।

बाद में मस्क ने ओपन एआई और सैम अल्टमैन समेत कंपनी के कई अन्य लोगों पर मुकदमा भी दायर किया। मस्क ने ओपन एआई-अल्टमैन समेत सभी लोगों पर 2015 में चेटजीपीटी-मेकर को स्थापित करने में मदद करने के दौरान किए गए कॉन्ट्रैक्चुअल एग्रीमेंट्स का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

मुनाफा कमाने पर फोकस से टूटा समझौता मस्क की तरफ से दायर लॉ-सूट में कहा गया था कि अल्टमैन ने ओपन एआई के को-फाउंर ग्रेग ब्रॉकमैन के साथ मिलकर एक ओपन सोर्स, नॉन-प्रॉफिट कंपनी बनाने के लिए मस्क से संपर्क किया था। यह कंपनी इंसानों के फायदे के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी डेवलप करती। मस्क के वकीलों ने कहा कि ओपन एआई के मुनाफा कमाने पर फोकस करने से यह समझौता टूट गया।

जर्मनी में गहराया राजनीतिक संकट, विश्वास मत के बाद आएगी मध्यावधि चुनाव की आहट?

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था राजनीतिक उथल-पुथल में घिर गई है। महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज़ का तीन-पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मन संसद में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ विश्वास मत निश्चित रूप से हारेंगे। आखिरी बार किसी जर्मन चांसलर ने लगभग 20 साल पहले विश्वास मत मांगा था। लेकिन 16 दिसंबर को जर्मन नेता ओलाफ स्कोल्ज़ बुंडेस्टाग के सदस्यों से वोट करने के लिए कहेंगे यदि वे अभी भी उनका समर्थन करते हैं। स्कोल्ज़ के वोट हारने की व्यापक संभावना है, जिससे जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर तीन सप्ताह के भीतर संसद को भंग कर देंगे, जिससे 23 फरवरी की शुरुआत में आकस्मिक चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार चुने जाने के कुछ ही घंटों बाद जर्मन सरकार गिर गई, स्कोल्ज़ ने जर्मन वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को भावनाओं

के एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में निकाल दिया, जो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदर्शित हुआ था। तब से, यह सामने आया है कि लिंडनर की पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की पूर्व-योजना बनाई थी, और कुछ लोकप्रियता हासिल करने के लिए समय से पहले चुनाव कराने के अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, चिंताएं हैं कि उदारवादी (एफडीपी) ऐसा नहीं करेंगे। संसद में प्रवेश के लिए आवश्यक 5त्न सीमा से अधिक तक पहुँचें।

नए चुनावों में वास्तव में क्या दांव पर लगा है: जर्मनी की अर्थव्यवस्था लगातार स्थिर बनी हुई है क्योंकि वोक्सवैगन, थिसेनक्रुप और बॉश जैसी प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों सहित हजारों नौकरियों और बाजारों को खत्म करने की योजना बना रही हैं, एशियाई बाजारों की ओर बढ़ रही हैं, एक जोखिम है कि राजनीतिक अस्थिरता अर्थव्यवस्था को हतोत्साहित कर सकती है। ठीक हो रहा है। फंके का कहना है कि राजनीतिक दल दबाव महसूस कर रहे हैं। ऑटोमोटिव और स्टील उद्योगों के साथ-साथ आपूर्तिकर्ताओं के बीच गंभीर संकट को देखते हुए, अन्य देशों की तुलना में असाधारण रूप से कम विकास की संभावनाओं के साथ, ढाई महीने में चुनाव से पहले कुछ उपायों को लागू करने का महत्वपूर्ण दबाव है।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त हुए फ्रांस्वा बायरू, मैक्रों के हैं करीबी

पेरिस, एजेंसी। 2025 के विधेयक पर संसदीय विरोध के कारण पूर्व प्रधान मंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। 73 वर्षीय बायरू आने वाले दिनों में अपने मंत्रियों की सूची सामने रखेंगे, लेकिन तीन युद्धरत गुटों वाली त्रिशंकु संसद के माध्यम से कानून बनाने में उन्हें बार्नियर के समान ही अस्तित्वगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रेंकोइस बायरू को 2024 का अपना तीसरा प्रधान मंत्री नामित किया। अनुभवी मध्यमार्गी को पिछले छह महीनों में देश को दूसरे बड़े राजनीतिक संकट से बाहर निकालने का काम सौंपा। मैक्रों के करीबी सहयोगी बायरू के लिए प्राथमिकता 2024 के बजट को लागू करने के लिए एक विशेष कानून पारित करना होगा, साथ ही अगले साल की शुरुआत में 2025 के कानून पर और भी गंभीर लड़ाई होने वाली है। 2025 के विधेयक पर संसदीय विरोध के कारण पूर्व प्रधान मंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। 73 वर्षीय बायरू आने वाले दिनों में अपने मंत्रियों की सूची सामने रखेंगे, लेकिन तीन युद्धरत गुटों वाली त्रिशंकु संसद के माध्यम से कानून बनाने में उन्हें बार्नियर के समान ही अस्तित्वगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अत्यधिक अलोकप्रिय मैक्रों से उनकी निकटता भी

एक कमजोरी साबित होगी। फ्रांस की बढ़ती राजनीतिक अस्वस्थता ने इस बात पर संदेह पैदा कर दिया है कि क्या मैक्रॉन अपना दूसरा राष्ट्रपति कार्यकाल पूरा करेंगे, जो 2027 में समाप्त होगा। बार्नियर के निष्कासन के बाद मैक्रॉन ने कई दिन रूढ़िवादियों से लेकर कम्युनिस्टों तक के नेताओं से बात करके बायरू के लिए समर्थन हासिल करने में बिताए। मरीन ले पेन की धुर-दक्षिणपंथी राष्ट्रीय रैली और कट्टर-वामपंथी फ्रांस अनबोएड को बाहर रखा गया। गठबंधन में सोशलिस्ट पार्टी की किसी भी भागीदारी की कीमत मैक्रॉन को अगले साल के बजट में चुकानी पड़ सकती है। एक सरकारी सलाहकार ने शुक्रवार को कहा, अब हम देखेंगे कि सोशलिस्ट पार्टी के समर्थन की कीमत कितने अरब होगी।

यात्रा के दौरान पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लगी चोट, अस्पताल में चल रहा है इलाज

लक्जमबर्ग , एजेंसी। पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान चोट लग गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेलोसी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। वह बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वी वर्षगांठ मनाने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा कर रही थीं। बता दें कि बैटल ऑफ बुल्ज द्वितीय विश्व युद्ध का एपिसोड है। यह जर्मन आक्रमण के परिणामस्वरूप शुरू हुआ और गठबंधन बलों की जीत के साथ समाप्त हुआ।

लक्जमबर्ग की यात्रा के दौरान लगी चोट : नैंसी पेलोसी के प्रवक्ता इयान क्रैगर ने कहा, बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लक्जमबर्ग में एक कांग्रेस प्रतिनिमंडल के साथ यात्रा के दौरान स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी को चोट लग गई। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। उन्होंने चोट के कारण बाकी कार्यक्रमों में शामिल न होने पर दुख जताया। प्रवक्ता ने आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी डॉक्टरों से इलाज करवा रही हैं। उन्होंने काम करना जारी रखा है। उन्हें इस बात का दुख है कि वह सैनिकों के साहस का सम्मान करने के लिए शेष सीओडीईएल कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ है। नैंसी पेलोसी ने अपना आभार व्यक्त करते हुए अमेरिकी दिग्गजों का धन्यवाद किया।

पेलोसी ने लक्जमबर्ग के लोगों का जताया आभार : प्रवक्ता ने अपने बयान में आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा पेलोसी ने हमारे दिग्गजों का धन्यवाद किया। उन्होंने द्वितीय

विश्वयुद्ध में यूरोप में शांति लाने में दिग्गजों की भूमिका के लिए लक्जमबर्ग और बास्टोग्ने के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। नैंसी पेलोसी को प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा करने के लिए व्यक्तिगत और आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया था। उन्हें सम्मानित करने वालों में से कई लोगों के परिवार के सदस्य द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हुए थे। इस युद्ध में उनके (पेलोसी) चाचा जॉनी भी शामिल थे। फिलहाल वह अमेरिका वापस लौटने की प्रतिक्षा कर रही है। बता दें कि नैंसी पेलोसी ने स्पीकर ऑफ द हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष के रूप में काम किया। वह साल 2007 में सदन की अध्यक्ष के तौर पर सेवा करने वाली पहली महिला भी थीं।

सीरियाई जेल से रिहा हुए अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाला गया : अमेरिकी अधिकारी : दश्मिक, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सीरिया की जेल से रिहा किए गए एक अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाल लिया। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सात महीने पहले लापता हुए अमेरिकी नागरिक ट्रैविस टिमरमैन को पूर्व राष्ट्रपति बशर असद की कुख्यात जेल में रखा गया था और वह उन हजारों लोगों में से एक था, जिन्हें विद्रोहियों द्वारा इस सप्ताह रिहा किया गया था।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि ट्रैविस टिमरमैन को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिये सीरिया से बाहर निकाला गया। टिमरमैन (29) ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह ईसाई तीर्थयात्रा पर सीरिया गया था और हिरासत में रखे जाने के दौरान उसके साथ बुरा व्यवहार नहीं किया गया। अमेरिकी नागरिक ने बताया कि विद्रोहियों ने जेल में आकर हथौड़े से (उसकी कोठरी का) दरवाजा तोड़कर उसे मुक्त कराया। टिमरमैन ने बताया कि उसे सोमवार की सुबह एक सीरियाई युवक और 70 महिला कैदियों के साथ रिहा किया गया, जिनमें से कुछ के साथ उनके बच्चे भी थे।

आडवाणी की हालत स्थिर, डॉक्टरों की निगरानी में

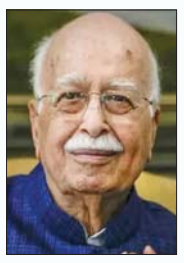

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है। वे फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। पिछले दो सप्ताह से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी, जिसके बाद उन्हें इंद्रप्रस्थ अपोलो में भर्ती कराया गया था। इंद्रप्रस्थ अपोलो के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, लालकृष्ण आडवाणी को मेडिकल मैनेजमेंट और जांच के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वे सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.विनीत सूरी की देखरेख में हैं और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

साइबर ठग ने पुलिसकर्मी को लगाया 5 लाख से अधिक का चूना, जांच में जुटी पुलिस

भरुच । गुजरात समेत देशभर में साइबर ठगी की घटनाएं लगातारा बढ़ती जा रही हैं। साइबर ठग नित नई तरकीबें आजमा कर आम लोगों को चूना लगा रहे हैं। जिससे अब कानून के रखवाले भी सुरक्षित नहीं हैं। जी हां, भरुच में एक पुलिस कांस्टेबल साइबर ठगी का शिकार हुआ है। घटना के बाद पुलिस कांस्टेबल ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच के ओसारा गांव निवासी भरुच में आर्म्स पुलिस कांस्टेबल के तौर पर हेड क्वार्टर्स में सेवारत योगेश ठाकोर को साइबर ठग ने एक्सिस बैंक के कर्मचारी की पहचान देकर उनसे सभी आईडी पासवर्ड हासिल कर लिए। जिसके बाद योगेश ठाकोर के एकाउंट से रु. 548999 निकाल लिए। साइबर ठगी के शिकार योगेश ठाकोर ने भरुच साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के मुताबिक योगेश ठाकोर के मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से एक्सिस बैंक के राहुलजी नामक कर्मचारी की पहचान देकर केवाईसी डिटेइल अपडेट करने के बहाने पान कार्ड अपडेट करने की नाम की एप्लिकेशन लिंक भेजी थी। साइबर ठग ने शिकायतकर्ता के पान कार्ड, आधार कार्ड और डेबिट कार्ड की डिटेइल पहले से चल रही लोन नंबर पर अतिरिक्त टॉप अप लोन लेकर उस लोन में जमा हुए रु. 778209 में से रु. 548999 की रकम अलग अलग बैंक एकाउंट में ट्रांसफर कर ली। ठगे जाने का अहसास होने पर योगेश ठाकोर ने तुरंत साइबर पुलिस थाने में अज्ञात ठगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने बीएनएस एक्ट और साइबर एक्ट 2008 के तहत केस दर्ज कर अज्ञात ठगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

आतंक फैलाने के लिए किया था बस पर हमला, एनआईए ने किया आरोप-पत्र दाखिल

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शिवखोड़ी, रनसू से जम्मू-कश्मीर के कटड़ा जा रही तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकवादी हमले से संबंधित मामले में एक आरोपी के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। यह हमला 9 जून, 2024 को हुआ था, जब अज्ञात आतंकवादियों ने झांडी मोड़ के पास बस पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस हमले में 8 तीर्थयात्रियों और बस चालक की मौत हो गई थी और 41 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस हमले का उद्देश्य आम जनता और तीर्थयात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर आने वाले लोगों में आतंक फैलाना था। बस चालक के सिर पर गोली लगने से वह नियंत्रण खो बैठा था। इसके बाद बस खाई में गिर गई थी। एनआईए की जांच में पता चला है कि आरोपी हाकम ने हमले के पीछे की साजिश का हिस्सा होने की बात कबूल की थी, उसके सक्रिय रसद समर्थन के साथ 3 आतंकवादियों ने घटना को अंजाम दिया था। उन्हें भोजन और रहने की व्यवस्था प्रदान करने के अलावा, उसने हमले की जगह की पहचान करने में आतंकवादियों की मदद की थी। बयान में कहा गया है कि मामले में जांच जारी है।

महादेव ऐप की एक और 130 करोड़ की संपत्ति जब्त, अब तक 11 लोग गिरफ्तार

मुंबई। मोबाइल ऐप के जरिए सट्टेबाजी का अवैध कारोबार करने वाली और पांच हजार करोड़ रुपया हवाला के जरिये विदेश भेजने वाली महादेव ऐप कंपनी पर शनिवार को ईडी ने फिर छापा मारा और 130 करोड़ 57 लाख की संपत्ति जब्त कर लिए। इसमें कंपनी द्वारा निवेश की गई प्रतिभूतियां, बांड, डीमैट खाते में राशि आदि शामिल हैं। मालूम हो कि 7 दिसंबर को भी ईडी ने 388 करोड़ 99 लाख की संपत्ति जब्त की थी। ईडी अब तक कंपनी के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की 2426 करोड़ 18 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इसमें 19 करोड़ 36 लाख की नकदी, 16 करोड़ 68 लाख की कीमती वस्तुएं और 1729 करोड़ 17 लाख रुपये की 111 अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने इस मामले में अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इस मामले में कुछ बॉलीवुड कलाकार भी शामिल हैं और उनके बयान भी ईडी पहले दर्ज कर चुकी है।

मणिपुर में बिहार के दो मजदूरों की गोली मारकर हत्या

इंफाल। कई महीनों से मणिपुर में हिंसा का दौर चल रहा है। बीते रोज फिर हिंसा हुई और दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग मारे गए। इनमें से दो बिहार के मजदूर शामिल थे। वहीं, पुलिस ने एक उग्रवादी को भी मुठभेड़ में मार गिराया है। शनिवार को काकचिंग जिले में दो श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान 18 साल के सुनेलाल कुमार और 17 साल के दशरथ कुमार के रूप में हुई। वे बिहार के गोपालगंज जिले के राजवाही गांव के रहने वाले थे। दोनों युवक काकचिंग में मैतेई बहुल इलाके में रह रहे थे। काकचिंग-वाबागई रोड पर पंचायत कार्यालय के पास शाम लगभग 5:20 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। मजदूरों पर हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

टीबी के प्रति जागरुकता फैलाने राज्यसभा और लोकसभा के सांसद दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलने मैदान पर उतरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के प्रति जागरुकता फैलाने के लिये राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों के बीच एक मैत्र क्रिकेट मैच खेला गया। दोनों सदनों के सांसदों के बीच यह मुकाबला नई दिल्ली के मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में राज्यसभा की कप्तानी किरन रिजिजू और लोकसभा की अनुराग ठाकुर ने की। ठाकुर ने इस अवसर पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का एक लक्ष्य रखा है। वहीं दुनियाभर का लक्ष्य 2031 का है। वहीं अगर आप 2015 से लेकर अब तक देखें तो देश में जो टीबी से जुड़ी मौतों के मामले में 38 फीसदी की गिरावट आई है। नये मामलों में भी 18 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी है। दुनियाभर में यह लगभग 8 प्रतिशत है। इसका मतलब भारत बाकि दुनिया से बेहतर स्थिति में हालांकि विश्व की सबसे बड़ी टीबी आबादी भी भारत में ही है। अब इसका इलाज भी है और सरकार मुफ्त में दवाई भी देती है। 1,000 रुपये पोषण के लिए भी देती है और जांच के साथ ही इलाज पर भी नजर रखी जाती है।

उन्होंने कहा ऐसी 75,000 से अधिक संस्थाएं और व्यक्ति हैं जिन्होंने 20 लाख से ज़्यादा टीबी मरीजों को गोद लिया है। उनकी मदद करते हैं। हमारा प्रयास सांसदों के मैच करने के पीछे यह था कि आप ज़्यादा से ज़्यादा जागरूक हों और हम टीबी मुक्त भारत बनायें।

लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने इस अवसर पर कहा, इस मैच के जरिए हम एक संदेश देना चाहते हैं कि हम सांसद टीबी जैसी बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मैदान पर भागेंगे, दौड़ेंगे और इस मैच को खेलेंगे। टीबी बहुत खतरनाक बीमारी है पर थोड़ी सी सजगता से उसको हराया जा सकता है। आज के मैच में कौन जीतेगा और कौन हारेगा, यह बाद की बात है। लेकिन टीबी हारेगा यह तय है।

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, मुझे खुशी है कि हम लोग एक साथ आए हैं। टीवी को हराना हमारा लक्ष्य है और आज हम लोग यहां पर इकट्ठा हुए हैं। बहुत खुशी की बात है। बहुत अच्छी पहल की गई है। हम लोग साथ हैं और टीबी को हराएंगे। देश में टीबी के खिलाफ जो लड़ाई चल रही है उसको और थोड़ा बल देने के लिए आज हमने यह क्रिकेट मैच रखा है और बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया आई है।

उन्होंने आगे कहा कि कई दलों के राजनेता इसमें जुड़कर अपनी राजनीतिक सीमाओं से आगे बढ़कर आज यहां पर शामिल हुए हैं। हमने 2025 तक टीबी को हराने के लिए एक लक्ष्य रखा है, तो इसके तहत यह कार्यक्रम अभी आगे बढ़ रहा है। आज के मैच को जागरूकता प्रोग्राम की तरह रखा गया है। हमें जागरूकता को जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम करने चाहिए।

इस्कॉन मंदिर के लोकार्पण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहेंगे मौजूद, समारोह 9 से 15 जनवरी तक

नवी मुंबई। नए साल पर खारघर में इस्कॉन मंदिर ट्रस्ट द्वारा निर्मित मंदिर का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया है और यह कार्यक्रम 9 से 15 जनवरी तक यानि सात दिनों तक आयोजित किया जाएगा। बताया गया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भी इस लोकार्पण समारोह में उपस्थित रहेंगे। इस बात की जानकारी आयोजकों ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) एक वैश्विक संगठन है। भारत समेत दुनिया भर में 4000 से ज्यादा मंदिर हैं। इस्कॉन के अनुयायियों ने भगवद गीता और हिंदू धर्म, संस्कृति को पूरी दुनिया में फैलाया। वर्ष 2012 में, खारघर में सेंट्रल पार्क के बगल में 1 एकड़ भूमि पर एक इस्कॉन मंदिर की स्थापना की गई थी। मंदिर परिसर में दो छह मंजिली इमारतों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। मंदिर के निर्माण पर 160 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। एक भवन में राधा मदन मोहन, राम, सीता और लक्ष्मण और हनुमान की भव्य और सुंदर मूर्तियाँ होंगी और एक मंजिल पर प्रभुपाद की मूर्ति होगी। यहां भक्तों और मंदिर के सदस्यों के लिए 100 कमरों का एक गेस्ट हाउस भी है। भगवान कृष्ण की सेवा के लिए प्रसाद हॉल, ब्रह्मचारी आश्रम, वानप्रस्थाश्रम, प्रभुपथ के अलावा महिलाओं के लिए अलग आश्रम स्थापित किए गए हैं।

अतुल सुभाष सुसाइड केस: पत्नी निकिता गुरुग्राम से अरेस्ट, मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अतुल सुभाष सुसाइड केस में अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां निशा और भाई अनुराग को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पत्नी निकिता को गुरुग्राम से अरेस्ट किया गया है, जबकि मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार किए गए हैं। अतुल ने कुछ दिनों पहले ही निकिता और उनके परिवार पर उत्पीड़न और जबरन वसूली का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्होंने आत्महत्या कर ली थी। सभी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

इससे बेंगलुरु पुलिस ने निकिता सिंघानिया के जौनपुर में स्थित मकान पर नोटिस लगाया था। नोटिस में 3 दिन में बयान दर्ज करने के लिए कहा गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में निकिता सिंघानिया, निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया की तरफ से अंतरिम जमानत के लिए अर्जी लगाई गई है। बता दें कि पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने और न्याय व्यवस्था में खामी का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने डेढ़ घंटे के वीडियो के साथ 23 पेज का सुसाइड नोट भी छोड़ा था। इसमें उन्होंने शादी की शुरुआत से लेकर पत्नी से विवाद के बाद खुद पर लगे एक-एक केस और सुसाइड की ओर ढकेलने वाले हर प्वाइंट को विस्तार से समझाया था। अतुल ने आत्महत्या से पहले खुद पर दहेज उत्पीड़न से लेकर हत्या समेत कई मामले दर्ज करने से लेकर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, पत्नी के भाई अनुराग और पत्नी के चाचा सुशील पर लगाया है।

जम्मू-कश्मीर में लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ सत्ता शेयर करना विनाश की रेसिपी की तरह

सीएम उमर ने कहा-जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए

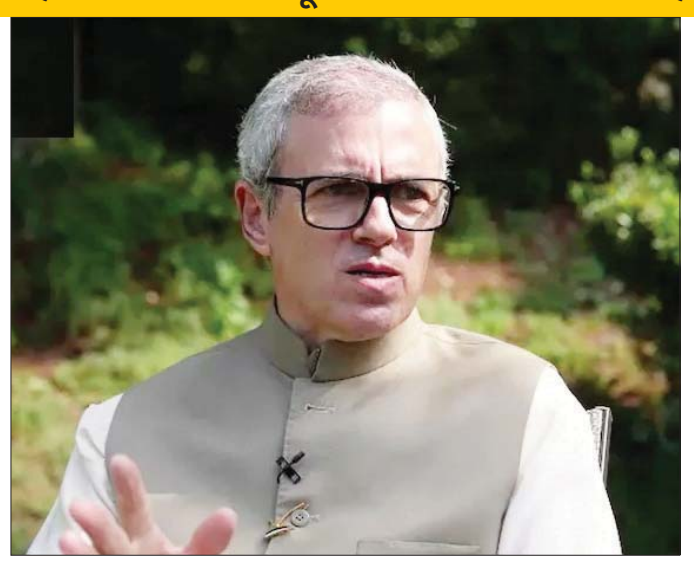

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ सत्ता शेयर करना विनाश की रेसिपी की तरह है। उन्होंने कहा कि डबल पावर सेंटर सिस्टम कभी काम नहीं करेगा। उमर ने यह बात एक साक्षात्कार में कही।

सीएम उमर ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि किसी भी जगह डबल पावर सेंटर होना आपदा का कारण बन सकता है। अगर कई पावर सेंटर हैं तो कोई भी संगठन ठीक से काम नहीं कर सकता है। यही कारण है कि हमारी खेल टीम में एक कप्तान होता है, दो नहीं। उमर ने केंद्र सरकार से अपना वादा निभाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को खत्म कर दिया था। इस दौरान इसे दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था। उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां कि सरकार लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ पावर शेयर करती है। ये कड़वा और विवादास्पद अनुभव है। दिल्ली छोटा राज्य है, जबकि जम्मू और कश्मीर एक बड़ा और रणनीतिक एरिया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में जब से मैं सीएम बना हूँ मुझे अभी तक एक भी ऐसा उदाहरण नहीं मिला जहां जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश होने से कोई लाभ मिला हो। ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है जहां शासन या विकास का काम जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण मिला हो।

सीएम उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव केवल सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के कारण ही हो सके। हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है कि जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने जितना अस्पष्ट फैसला दिया। अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि जम्मू-कश्मीर के हाइब्रिड राज्य बने रहने की स्थिति में उनके पास एक बैकअप योजना है। उन्होंने कहा कि मेरे पास बैकअप योजना नहीं होगी तो यह मूर्खता होगी।

सीरिया से लौटे भारतीयों ने बताया खौंफनाक मंजर : चौतरफा धमाके और सड़कों पर दौड़ते टैंक

नई दिल्ली।सीरिया से वापस लौटे भारतीयों ने दिल?ली हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत के दौरान इन लोगों ने गोली और बम की आवाजों के बीच रहने के अपने खौफनाक मंजर को याद किया। चंडीगढ़ के रहने वाले इंजीनियर सुनील दत्त ने आपबीती बयां करते हुए कहा कि वहां सड़कों पर असामाजिक तत्व खुलेआम घूम रहे हैं और लोगों से खुल?लम-खुल?ला सामान लूटा जा रहा है। गोलीबारी और बमबारी की आवाजों ने वहां जीवन को और भी बदतर बना दिया है। विद्रोहियों ने कई अन्य प्रमुख शहरों और कस्बों पर कब्जा करने के बाद राजधानी दमिश्क पर अपना पूरा कंट्रोल बना लिया था। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले सचित कपूर ने कहा, 'हम करीब सात महीने तक सीरिया में थे। 7 दिसंबर को स्थिति और खराब हो गई। हमें दमिश्क शहर में शिफ्ट कर दिया गया और फिर हमने चारों ओर आग और बमबारी देखी। यह एक दहशत का माहौल था। हम एक लग्जरी होटल में 11 लोगों की टीम में थे। स्थिति और खराब हो गई। लोग सड़कों पर बेकाबू हो रहे थे, कुछ लोग लूटपाट भी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास हमसे लगातार संपर्क में था और उनके कर्मियों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमें शांत रहने और दरवाजे न खोलने की सलाह दी। भारत ने सीरिया से अपने सभी नागरिकों को निकाल लिया है। ये वो लोग हैं जो बशर-अल-असद की सरकार को उखड़ने के बाद भारत लौटना चाहते थे। पिछले एक दशक से भी अधिक वक्त से विद्रोही तानाशाह असद की सरकार को गिराने के लिए हाथों में हथियार उठाए हुए थे।

46 साल पुराने मंदिर पर बोले अखिलेश- खोदने वाले देश का सौहार्द भी खोद देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि संभल मामले में हमें ये देखना होगा कि किन परिस्थितियों में वो मंदिर कहां निकल रहा है। वो पहले किसका घर था। इसलिए मैंने कहा कि हमें खोदना नहीं है। क्योंकि खोदने वाले लोग देश का सौहार्द्र खोद देंगे। हमें नया भारत बनाना है। इसलिए हमें अभी खुदाई नहीं करनी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि हमें खुदाई नहीं करनी है, बल्कि नए रास्ते बनाने होंगे। क्योंकि ये लोग पीडीए की ताकत से घबराए हुए हैं। जितना पीडीए एकजुट होगी, बीजेपी उतनी अधिक कमजोर होगी और इसके बाद वो बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक पॉलिटिक्स करेगी। उन्होंने संभल में मंदिर मिलने के मामले पर ये स्पष्ट किया कि हमें वहां ये देखना होगा कि वहां पहले कौन रहते थे। आगे अखिलेश ने आगे बातची के दौरान फिर से संभल का पुराना मुद्दा उठाया। जब संभल जिले में 24 नवंबर को स्थानीय कोर्ट के आदेश पर शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए थे। घायलों में पुलिसवाले भी शामिल थे। इस मामले में समाजवादी पार्टी के संभल से सांसद जिया उर रहमान बर्क और संभल के विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल भी मामला दर्ज हुआ था।

इस पर अखिलेश ने कहा कि नवंबर में संभल में क्या हुआ था। क्या कोई सर्वे के बहाने कहीं इतना ज्यादा माहौल खराब किया जा सकता है। संभल में जो हुआ वो प्रशासन की नाकामी थी। जब कभी भी संभल मामले की जांच होगी तो अधिकारी दोषी पाए जाएंगे। वहां जो जानें गईं हैं वो अधिकारियों की वजह से गई है, सरकार की वजह से गई है। हमलोगों को सरकार ने संभल नहीं जाने दिया। हमलोग वहां जाकर सिर्फ लोगों का दुख-दर्द बांटेंगे। एक टीवी कार्यक्रम में जब उनसे पूछा गया कि यूपी में कई ऐसे जगह हैं, जहां खुदाई वाला मामला आगे बढ़ सकता है। ऐसे में आने वाले समय में ये मुद्दे अगर तेज रफ्तार पकड़ते हैं तो आप क्या करेंगे। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी गाड़ी ऑटोमोटिक गियर पर समाजिक न्याय के रास्ते पर चल देगी। हमारे समाजवादी लोग और तेजी से एक्सलेटर दबाएंगे। ये एक्सलेटर होगा पीडीए परिवार।

संविधान को लेकर दिए पीएम मोदी के भाषण को विपक्ष में बताया बोरिंग

-प्रियंका ने कहा-नड्डा जी हाथ मल रहे थे तो शाह जी सिर छू रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान को लेकर अपने भाषण में कांग्रेस पर निशाना साधा था। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के भाषण को बोरिंग बताया। प्रियंका ने कहा कि पीएम ने कुछ भी नया या रचनात्मक नहीं कहा है। दशकों बाद मुझे अहसास हुआ कि मैं स्कूल के मैथ्स के डबल पीरियड में बैठी हूं।

प्रियंका ने कहा कि बीजेपी नेता जेपी नड्डा हाथ मल रहे थे, पीएम ने उनको देखा तो वे ऐसी एक्टिंग करने लगे कि वे सुन रहे हैं, अमित शाह अपना सिर छू रहे थे। पीछे बैठे पीयूष गोयल ऐसे लग रहे थे कि वे सोने वाले हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे लगा कि पीएम कुछ नया बोलेंगे, लेकिन उन्होंने खोखले वादों के बारे में बात की। अगर उनमें भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है, तो उन्हें कम से कम अडानी पर बहस करनी चाहिए। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी का ये बहुत लंबा भाषण था। हमें 11 जुमलों की शपथ सुनने को मिली। वंशवाद की राजनीति की आलोचना करने वालों की पार्टी में वंशवाद की भरमार है। सच्चाई यह है कि एससी/एसटी, ओबीसी और दलितों का आरक्षण खत्म कर दिया गया है। जल्द ही एक दिन आएगा जब जाति जनगणना होगी और लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से उनके अधिकार और सम्मान मिलने लगेंगे। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी के भाषण में कोई दम नहीं था। ये कांग्रेस के खिलाफ सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप था। कल और आज हमने उजागर किया कि उनकी एनडीए सरकार अब अडानी के लिए चल रही है। वे संविधान की बात करते हैं लेकिन इसका इस्तेमाल एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, एकाधिकार बना रहे हैं। जब हम संसद में संविधान पर चर्चा करते हैं, तो वे इसका कोई सम्मान नहीं करते। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि भाषण के दौरान पीएम मोदी सिर्फ गांधी परिवार को लेकर अड़े रहे। वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की आलोचना करते रहते हैं। उनका ध्यान केवल गांधी परिवार पर है, जिसने इस देश को स्वतंत्रता और संविधान दिलाया। हम इससे परेशान हैं। वहीं कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी का भाषण सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप का था।

ठंड ने यूपी में तोड़ा बीस साल का रिकॉर्ड, किसान की मौत, तापमान 3 डिग्री पहुंचा

बर्फबारी ने बढ़ी ठंड, जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में पारा माइनस में

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। यूपी में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कोल्डवेव चल रही है। यहां तीसरे या चौथे हफ्ते तक शीतलहर चलती है। तेज ठंड के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। यूपी में सबसे ज्यादा ठंड अयोध्या में पड़ रही है। यहां तापमान 3 डिग्री तक पहुंच गया है।

वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया है। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल 15 शहरों में शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और मध्यप्रदेश में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जोजिला में तापमान माइनस 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस 3.4 डिग्री, पहलगाम में माइनस 4.0, गुलमर्ग में माइनस 3.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी। इन राज्यों में बिजली गिरने का भी अनुमान लगाया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिम बंगाल के तटों के आसपास 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

वहीं 17 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 12 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है। हरियाणा और यूपी में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में विजिबिलिटी भी घट सकती है। राजस्थान में कोल्डवेव का अलर्ट है। यहां कई शहरों में तापमान पांच डिग्री के नीचे रहने की उम्मीद है।

18 दिसंबर की बात करें तो तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के अलावा केरल में बिजली गिरने के साथ बारिश के आसार हैं। राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर चलेगी। तापमान में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी ठंड बढ़ सकती है। यहां तापमान में गिरावट आ सकती है।